RNI NO PUNBIL/2014/59416
UTURNTIME.COM

यूटर्न टाइम

The Good, Bad and Ugly of India

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

गुस्ताखी माफ

उद्घाटन तो मुफ़्त में, हो जाता सरकार।
मगर बनाने के लिए, फंड बड़ा दरकार।
फंड बड़ा दरकार, कहां से यह आयेगा।
गड्ढे भरकर पुनः, सड़क फिर बनवायेगा।
कह साहिल कविराय, निगम है पूरा ठन-ठन।
बनने में धन लगे, मुफ़्त में हो उद्घाटन।

- डॉ. राजेन्द्र साहिल

VOL: 11 | ISSUE 146 | SATURDAY 06-06-2026 | RS-03 | PAGE-12 | PUBLISHED BY: LUDHIANA | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

चर्चा: आखिर किसकी जेब में जा रहे रेहड़ी-फड़ियों से की वसूली के 8 करोड़ रुपए!

लुधियाना/यूटर्न/5 जून। लुधियाना शहर में लगातार रेहड़ी फड़ियां लग रही है। हालात यह हैं कि शहर की हर छोटी सड़क पर भी 20 से 30 रेहड़ी-फड़ी आम ही देखने को मिल जाएगी। जिससे सड़क हादसे और ट्रैफिक जाम होता है। लेकिन इसके बावजूद नगर निगम इसे हटाने में विफिल साबित हो रहा है। वहीं इस बीच चर्चा निकलकर सामने आई है कि शहर में लगने वाली रेहड़ी फड़ी से हर महीने करोड़ों रुपए की अवैध वसूली की जा रही है। इस वसूली का मात्र 10-15 प्रतिशत हिस्सा सरकारी खजाने में डालकर बाकी का हड़प कर लिया जा रहा है। अब यह हड़प कौन कर रहा है, यह शहर में चर्चा छिड़ गई है। चचाएं हैं कि हर महीने करीब 8 करोड़ रुपए का हेरफेर किया जा रहा है। जिसमें कई अधिकारियों से लेकर राजनेता तक शामिल हैं। यहां तक कि कुछ वॉर्ड लीडर व उनके कारिदें भी इस वसूली में शामिल हैं। देखना होगा कि निगम कमिश्नर द्वारा क्या रेहड़ी फड़ी से होने वाली वसूली को सरकारी खजाने तक पहुंचा सकेगीं या नहीं।

सिर्फ 7-8 हजार रेहड़ियों की कटती है पर्ची

चर्चा है कि नगर निगम द्वारा खुद शहर का सर्वे करवाया गया। जिसमें पता चला कि कुल 25000 के करीब रेहड़ी फड़ी लगती है। चर्चा है कि यह आंकड़ें गलत हैं, असलियत में शहर के अंदर 75 हजार से लेकर एक लाख तक रेहड़ी फड़ी है। जिसमें से मात्र 7 से 8 हजार रेहड़ी की पर्ची काटकर पैसा सरकारी खजाने में डाला जाता है।

हर महीने हो रहा करोड़ों का हेरफेर

चर्चा है कि छत वाली, बिना छत वाली रेहड़ी व एरिया के हिसाब से रेहड़ी-फड़ी वालों को पैसे चार्ज किए जाते हैं। उनकी 1500 रुपए से लेकर 4 हजार रुपए तक प्रति महीना की पर्ची काटी जाती है। ऐसे में अगर शहर के अंदर कम से कम 50000 रेहड़ी फड़ी भी लगाई जाए तो कम से कम 2 हजार रुपए की पर्ची प्रति व्यक्ति काटने पर 10 करोड़ रुपए महीना इकट्ठा हुआ। इसमें 10 हजार रेहड़ी फड़ी की पेमेंट सरकारी खजाने में डालकर भी 8 करोड़ रुपए बचते हैं। चर्चा है कि उक्त करोड़ों की पेमेंट अफसरों से लेकर राजनेता और छुटभैया नेताओं में बांटी जाती है।

आखिर कौन कर रहा पीएयू के बाहर वसूली

वहीं शहर में चर्चा छिड़ गई है कि पीएयू गेट नंबर के पास विशाल मैगा मार्ट के साथ लगती रोड अंदर जाने पर कई रेहड़ियां लगी हैं। फिर उससे आगे पीएयू गेट नंबर तीन से लेकर हैबोवाल चौक तक दर्जनों रेहड़ियां खड़ी होती है। चर्चा है कि इन सभी से एक बाहुबली अफसर वसूली करता है। उसे इशारे पर ही यह रेहड़ियां लगी है। उक्त अफसर के नाम को लेकर शहर में चर्चा छिड़ी हुई है। हालांकि सभी अफसर का नाम अच्छे से जानते हैं, लेकिन फिर भी एक दूसरे से पूछकर चुस्कियां लेने में लगे हैं। इसी तरह ढोलेवाल सरकार स्कूल के बाहर लगती रेहड़ियों से जमकर वसूली होती है।

वसूली बंद होने के डर से नहीं बनाए जा रहे वेंडिंग जोन

वहीं चर्चा है कि शहर में स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत पहले 1.20 करोड़ रुपए की लागत से हल्का वेस्ट हंबड़ा रोड पर वेंडिंग जोन बनना था। लेकिन फिर निगम अफसरों ने कम हेरफेर होने के चलते इस परियोजना को बीच में ही रोककर खत्म ही कर दिया। फिर हल्का नॉर्थ में चांद सिनेमा पुली के पास वेंडिंग जोन बनना शुरू हुआ। वहां 45 लाख रुपए खर्च किए। डेढ़ साल से चल रहे इस निर्माण कार्य में अभी तक फर्श और लोहे की ग्रिलें ही लगाई गई हैं। इसके अलावा कोई काम नहीं हुआ। वहीं अब मेयर के वॉर्ड और हल्का साउथ में वेंडिंग जोन बनाए जाने की योजना है। चर्चा है कि अवैध वसूली बंद होने के डर से वेंडिंग जोन नहीं बनाए जा रहे।

मोहाली में दिल दहला देने वाली वारदात: ऑफिस के अंदर युवती की बेरहमी से हत्या, आरोपी ने खुद पर भी किया हमला

अजीत झा

मोहाली/यूटर्न/05 जून। मोहाली के फेज-11 स्थित सेक्टर-66 के निकट एक निजी कंपनी के कार्यालय में गुरुवार शाम हुई एक सनसनीखेज वारदात ने पूरे ट्राइसिटी क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया। एक युवक ने अपनी पूर्व सहकर्मी और कथित पूर्व प्रेमिका की कार्यालय परिसर के भीतर ही धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी। घटना के बाद आरोपी ने खुद पर भी चाकू से कई वार कर आत्महत्या का प्रयास किया। मृतका की पहचान 30 वर्षीय डिंपल निवासी पटियाला के रूप में हुई है, जबकि आरोपी हरविंदर मान उर्फ हैरी गंभीर हालत में अस्पताल में उपचाराधीन है। पुलिस जांच के अनुसार दोनों एक निजी पैकर्स एंड मूवर्स कंपनी में पिछले करीब तीन वर्षों से साथ काम कर रहे थे। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दोनों के बीच पहले प्रेम संबंध थे, लेकिन करीब छह माह पहले उनका रिश्ता समाप्त हो गया था। इसके बाद आरोपी लगातार युवती से दोबारा संबंध बनाने का प्रयास कर रहा था, जबकि युवती उससे दूरी बनाए हुए थी। गुरुवार देर शाम आरोपी कार्यालय पहुंचा और अचानक युवती पर हमला कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हमले के बाद युवती जान बचाने के लिए कार्यालय में इधर-उधर भागी, लेकिन आरोपी ने उसका पीछा कर लगातार चाकू से वार किए। कार्यालय में मौजूद कर्मचारियों ने बीच-बचाव की कोशिश की, मगर आरोपी के आक्रामक रवैये के कारण कोई उसे काबू नहीं कर सका। घटना के बाद कार्यालय में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को तत्काल फोर्टिस अस्पताल पहुंचाया गया। जहां डॉक्टरों ने डिंपल को मृत घोषित कर दिया, जबकि आरोपी की हालत गंभीर बनी हुई है। डीएसपी हरसिमरत बल ने बताया कि आरोपी ने युवती पर करीब 25 से 30 बार चाकू से हमला किया। पुलिस ने घटनास्थल से महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटा लिए हैं और हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि आरोपी के स्वास्थ्य में सुधार होने के बाद उसके बयान दर्ज किए जाएंगे, जिसके बाद घटना के पीछे के कारणों और पूरे घटनाक्रम की तस्वीर और स्पष्ट हो सकेगी। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है।

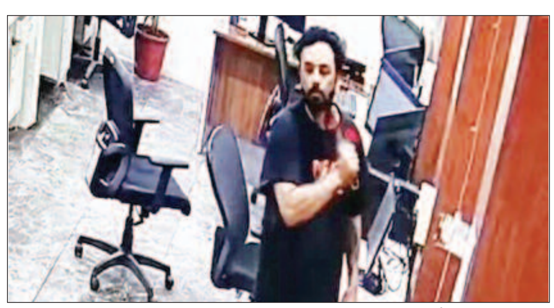

चमकती चीज जरूरी नहीं सोना हो... क्या पता 15 लाख करोड़ का झोल हो

यह किसी छोटे देश की जीडीपी नहीं है। और न ही किसी राज्य सरकार का बजट। यह किसी औसत बड़ी कॉर्पोरेट कंपनी का सालाना टर्नओवर भी नहीं है। यह वह रकम है जिसके बारे में मार्केट रेगुलेटर सेबी का आरोप है कि राजेश एक्सपोर्ट्स ने कई सालों तक अपनी कमाई (रेवेन्यू) में इसे बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया था। यह आंकड़ा इतना बड़ा है कि इसे दोबारा देखने का मन करता है। फिर तीसरी बार। और फिर शायद कैलकुलेटर की जरूरत पड़ती है। सालों तक, राजेश एक्सपोर्ट्स की भारी-भरकम कमाई कॉर्पोरेट इंडिया में चर्चा का विषय रही। निवेशकों को वे आंकड़े हैरान करते थे जिनसे

संदीप शर्मा, सम्पादक

बेंगलुरु की यह गोल्ड रिफाइनिंग कंपनी देश की सबसे बड़ी बिजनेस कंपनियों में से एक लगती थी। एनालिस्ट्स लाखों-करोड़ों के टर्नओवर आंकड़ों पर चर्चा करते थे। कंपनी बड़े पैमाने और ग्लोबल पहुंच का प्रतीक बन गई थी। अब, वही आंकड़े एक रेगुलेटरी विवाद के केंद्र में हैं। सेबी का आरोप है कि कंपनी की स्विस सब्सिडियरी, वैलकैम्बी से जुड़े ट्रांजैक्शन के जरिए 15 लाख करोड़ से ज्यादा की कमाई बढ़ा-चढ़ाकर दिखाई गई थी। राजेश एक्सपोर्ट्स ने इन आरोपों का जोरदार खंडन किया है और उसका कहना है कि रेगुलेटर ने सब्सिडियरी द्वारा किए गए ट्रांजैक्शन के अकाउंटिंग ट्रीटमेंट को गलत समझा है। इस मामले का फैसला कानून की उचित प्रक्रिया के जरिए होगा, और कंपनी को निर्दोष माने जाने का अधिकार है।

फिर भी, मामला चाहे किसी भी नतीजे पर पहुँचे, यह विवाद परेशान करने वाले सवाल खड़े करता है। इतने बड़े पैमाने का आंकड़ा सालों तक जांच-पड़ताल से कैसे बच गया? ऑडिटर्स, इंडिपेंडेंट डायरेक्टर्स, इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स और मार्केट इंटरमीडियरीज ने इतने बड़े पैमाने के आंकड़ों को कैसे देखा? क्या मुश्किल सवाल काफी बार पूछे गए, या कमाई का आकार ही जांच-पड़ताल की जगह ले गया? यह मुद्दा सिर्फ.एक कंपनी के बारे में नहीं है। यह भारत के कॉर्पोरेट रिपोर्टिंग सिस्टम की विश्वसनीयता के बारे में है।

मार्केट भरोसे पर चलते हैं। निवेशक शेयर इसलिए खरीदते हैं क्योंकि उन्हें विश्वास होता है कि उनके सामने पेश किए गए आंकड़े आर्थिक सच्चाई को दर्शाते हैं। रेवेन्यू सिर्फ.एक अकाउंटिंग एंट्री नहीं है; यह किसी बिजनेस की सेहत, पैमाने और संभावनाओं का आकलन करने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले सबसे महत्वपूर्ण संकेतकों में से एक है। जब उन आंकड़ों को लेकर संदेह पैदा होता है, तो भरोसा डगमगाता है। उतना ही महत्वपूर्ण यह तथ्य भी है कि यह मामला कथित तौर पर एक शेयरहोल्डर की शिकायत से शुरू हुआ। यह शेयरहोल्डर एक्टिविज्म के लिए तो अच्छी बात है, लेकिन उस सिस्टम के लिए अच्छी बात नहीं है जिसे आदर्श रूप से गड़बड़ियों का पता तब लगा लेना चाहिए था, जब वे राष्ट्रीय महत्व के विवादों में नहीं बदली थीं। भारत के कैपिटल मार्केट आज लाखों रिटेल निवेशकों को आकर्षित करते हैं। उनका भरोसा एक सार्वजनिक संपत्ति है। इसे बनाए रखने के लिए ऐसे रेगुलेटर चाहिए जो सतर्क हों, ऐसे ऑडिटर जो शक की नजर से देखें, ऐसे बोर्ड जो आजाद हों और ऐसे निवेशक जो मुश्किल सवाल पूछने को तैयार हों। सोने को बेचने से पहले उसकी शुद्धता की जाँच की जाती है। फाइनेंशियल स्टेटमेंट की भी उतनी ही बारीकी से जाँच होनी चाहिए। इसलिए, राजेश एक्सपोर्ट्स का मामला 15 लाख करोड़ से कहीं ज्यादा का है। यह इस बारे में है कि क्या भारत के बाजार दिखावे से आगे बढ़कर असलियत पर ध्यान देने के लिए तैयार हैं। क्योंकि कारोबार हो या ज़िंदगी, हर चमकने वाली चीज सोना नहीं होती। कभी-कभी यह सिर्फ.एक नंबर होता है जिसकी पुष्टि होनी बाकी होती है।

भारत की जीडीपी के आंकड़े अनुमान से बेहतर; एफवाई2026 में ग्रोथ 7.7 प्रतिशत रहने का अनुमान

चंडीगढ़/यूटर्न/5 जून। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) ने शुक्रवार को बताया कि 2025-26 में भारत की जीडीपी में 7.7 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। मंत्रालय ने यह भी कहा कि जनवरी-मार्च 2026 की आखिरी तिमाही में ग्रोथ थोड़ी घटकर 7.8 प्रतिशत रही, जबकि अक्टूबर-दिसंबर 2025 में यह 8 प्रतिशत थी (जिसे पहले 7.8 प्रतिशत अनुमानित किया गया था और बाद में बढ़ाया गया था)। अप्रैल-जून 2025 (6.7 प्रतिशत से 6.8 प्रतिशत) और जुलाई-सितंबर 2025 (8.4 प्रतिशत से 8.3 प्रतिशत) के जीडीपी ग्रोथ अनुमानों में भी मामूली बदलाव किए गए हैं। शुक्रवार को जारी पूरे साल की जीडीपी ग्रोथ का आंकड़ा (7.7 प्रतिशत) - जिसे प्रोविजनल अनुमान कहा जाता है। एमओएसपीआई के दूसरे एडवांस अनुमान (7.6 प्रतिशत) से ज्यादा है, जिसकी घोषणा फरवरी में की गई थी। 2024-25 में भारत की जीडीपी में 7.1 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई थी।

आरबीआई ने अनुमान किया कम

जीडीपी के ये ताजा आंकड़े रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया द्वारा 2026-27 के लिए अपने अनुमान को 6.9 प्रतिशत से घटाकर 6.6 प्रतिशत करने के कुछ ही घंटों बाद आए हैं। गवर्नर संजय मल्होत्रा ने चेतावनी दी कि हालांकि घरेलू मांग मजबूत बनी हुई है और मैन्युफैक्चरिंग व सर्विस सेक्टर की गतिविधियां बढ़ रही हैं, लेकिन ₹कुछ सेक्टर में सुस्ती के शुरूआती संकेत दिख रहे हैं। सेंट्रल बैंक के नए अनुमान के मुताबिक, अप्रैल-जून 2026 में ग्रोथ 6.6 प्रतिशत, जुलाई-सितंबर 2026 में 6.3 प्रतिशत, अक्टूबर-दिसंबर 2026 में 6.5 प्रतिशत और जनवरी-मार्च 2027 में 6.8 प्रतिशत रहने की उम्मीद है। इससे पहले अप्रैल में, सेंट्रल बैंक को उम्मीद थी कि 2026-27 की चार तिमाहियों में देश की जीडीपी में 7.2 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी होगी।

जीडीपी के आंकड़े भारत की स्थिति करेंगे मजबूत

जीडीपी के ताजा आंकड़े दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में भारत की स्थिति को और मजबूत करते हैं, खासकर ऐसे समय में जब कई विकसित अर्थव्यवस्थाएं धीमी ग्रोथ और जियोपॉलिटिकल अनिश्चितताओं से जूझ रही हैं। एफवाई2026 के दौरान मजबूत घरेलू मांग, सरकार के लगातार कैपिटल खर्च, मजबूत सर्विस सेक्टर की गतिविधि और मैन्युफैक्चरिंग में धीरे-धीरे हो रहे सुधार से ग्रोथ को सहारा मिला। अर्थशास्त्रियों का कहना है कि दूसरे एडवांस अनुमान में 7.6 प्रतिशत से 7.7 प्रतिशत तक का बदलाव यह दिखाता है कि फाइनेंशियल ईयर के आखिरी हिस्से में आर्थिक गतिविधियां उम्मीद से ज्यादा मजबूत रहीं।

चिनाब-ब्यास टनल: घबराए पाकिस्तान का कहना, भारत का प्रोजेक्ट पाकिस्तान के अस्तित्व के लिए खतरनाक

चंडीगढ़/यूटर्न/5 जून। भारत सरकार के चिनाब-ब्यास लिंक प्रोजेक्ट और सलाल बांध पर गाद को मैनेज करने के लिए एक नई टनल बनाने के प्लान से घबराए इस्लामाबाद ने गुरुवार को कहा कि इन प्रोजेक्ट्स के पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था पर खतरनाक असर पड़ सकते हैं। इस्लामाबाद में पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय से भारत द्वारा चिनाब नदी सिस्टम से जुड़े दो बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स पर काम शुरू करने के बारे में पूछा गया। इनमें से एक प्रोजेक्ट हिमाचल प्रदेश में चिनाब नदी पर एक बड़ी इंटर-बेसिन पानी डायवर्जन टनल से जुड़ा है, और दूसरा सलाल बांध पर गाद मैनेजमेंट की क्षमता को बहाल करने के मकसद से है। इन दोनों प्रोजेक्ट्स की कुल कीमत लगभग 2,600 करोड़ रुपये है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने कहा, हमने मीडिया के एक हिस्से में आई यह रिपोर्ट और भारत सरकार द्वारा चिनाब-ब्यास लिंक प्रोजेक्ट के लिए जारी पब्लिक टेंडर डॉक्यूमेंट देखा है, जिसका मकसद

भारत ने नहीं दी जानकारी

पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि भारत ने इन प्रोजेक्ट्स के बारे में न तो आधिकारिक तौर पर कोई जानकारी दी है और न ही कोई नोटिस शेयर किया है। ये प्रोजेक्ट्स इस बात की पुष्टि करते हैं कि भारत पानी को हथियार बनाना चाहता है; इसके पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था पर खतरनाक असर हो सकते हैं। पिछले साल पहलगाम हमलों के बाद भारत ने सिंधु जल संधि को रोक दिया था, और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते और वादा किया था कि भारत चिनाब सहित तीन पश्चिमी नदियों पर अपने जायज हिस्से का इस्तेमाल करेगा। तब से, चिनाब नदी पर कई हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट्स पर तेजी से काम किया जा रहा है।

चिनाब नदी से ब्यास नदी में 1.9 मिलियन एकड़-फीट पानी ट्रांसफर करना है। इस तरह का इंटर-बेसिन प्रोजेक्ट सिंधु जल संधि का गंभीर उल्लंघन है। पाकिस्तान के प्रवक्ता ने कहा कि समाचार रिपोर्ट में बताए गए दूसरे प्रोजेक्ट, यानी सलाल बांध पर नई टनल, भी बहुत चिंताजनक घटनाक्रम है।

सरकार जल्द कर सकती है निर्माण शुरू

सरकार इस सबसे महत्वाकांक्षी नदी-जोड़ो प्रोजेक्ट पर इस साल 1 अगस्त से काम शुरू करने की योजना बना रही है और उसने 2,300 करोड़ रुपये के इस प्रोजेक्ट के पूरा होने की तारीख 31 जुलाई, 2029 तय की है, जो चिनाब नदी से अतिरिक्त पानी को ब्यास नदी बेसिन में डायवर्ट करेगा। एनएचपीसी के एक दस्तावेज के अनुसार, लिंक-3 प्रोजेक्ट हिमाचल प्रदेश के लाहौल-स्पीति ज़िले की लाहौल घाटी में चिनाब नदी पर प्रस्तावित है। मौजूदा प्रस्ताव में चिनाब नदी पर 19 मीटर ऊँचा बैराज, इनटेक और लगभग 8.7 किलोमीटर लंबी पानी ले जाने वाली सुरंग बनाने की योजना है। इसके अलावा, प्रोजेक्ट के दूसरे चरण में पनबिजली उत्पादन की संभावना पर भी विचार किया गया है।

पेज 06 विश्व पर्यावरण दिवस पर बीएसएफ पश्चिमी...

लुधियाना में अचानक 14 लड़कियां लापता होने की चर्चाएं, पुलिस ने कहा अफवाह फैलाई जा रही

लुधियाना/यूटर्न/5 जून। लुधियाना जिले से केवल 38 दिनों में 14 लड़कियां लापता होने की चचाएं सामने आई हैं। कहा जा रहा है कि लापता लड़कियों में कई नाबालिग भी है। हालांकि इसमें कोई स्कूल गई तो कोई ऑफिस के लिए घर से निकली थी। लेकिन वापिस घर नहीं आई। हालांकि इस मामले में लुधियाना पुलिस की और से बयान जारी किया गया है। जिसमें उन्होंने कहा कि यह सिर्फ अफवाहें हैं, लोग इन अफवाहों से बचें। वहीं इस मामले ने तब तूल पकड़ा जब पंजाब महिला आयोग की चेयरपर्सन राजलाली गिल भी एक्शन में आई। उन्होंने पुलिस कमिश्नर स्वपन शर्मा से रिपोर्ट तलब की। राजलाली गिल ने गायब युवतियों की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा कीं और कमिश्नर से रिपोर्ट तलब को लेकर पोस्ट किया। हालांकि, 15 घंटे बाद ही रिपोर्ट तलब वाली पोस्ट को डिलीट कर दिया और पुलिस की सफाई देते हुए वीडियो पोस्ट किया। अब इसके पीछे असली कारण क्या हैं, यह अभी पता नहीं चल सके हैं।

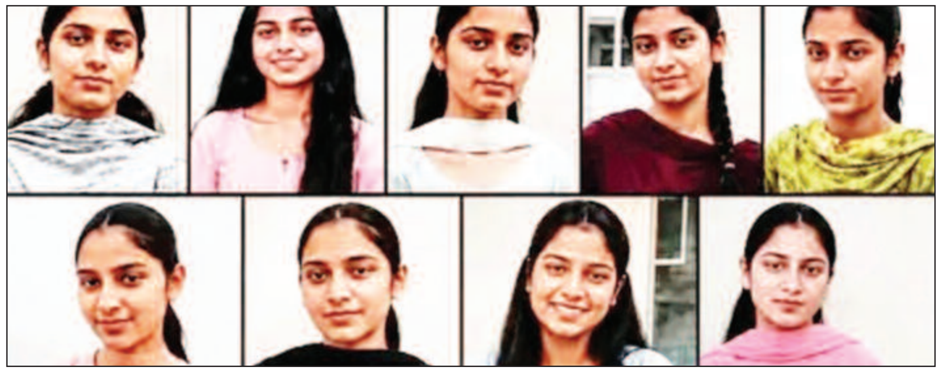

नैरेटिव फैला रहे लोग

एडीसीपी ऑपरेशन रमनदीप सिंह भुल्लर ने कहा कि कुछ लोग सोशल मीडिया पर भ्रामक नैरेटिव चला रहे हैं। केवल कुछ लड़कियां लापता हुई हैं। जिसमें से ज्यादातर को ढूंढ लिया गया है। कई लड़कियां अपने गांव चली गई थी। टीमों को स्पेशल दूसरी स्टेट्स में भेजकर लड़कियों को वापिस लाया गया है।

सीपी ने की अपील

वहीं शुक्रवार शाम पुलिस कमिश्नर स्वपन शर्मा की तरफ से पुलिस प्रशासन द्वारा एक बयान जारी किया गया। जिसमें लोगों से अपील की है कि वे अप्रमाणित जानकारी फैलाने से बचें। शहर के अलग-अलग थानों में 13 लापता लड़कियों के संबंध में 11 एफआईआर दर्ज की गई हैं। अब तक की जांच में यह सामने आया है कि जिन लड़कियों के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज हुई है, उन्हें किसी व्यक्ति या संगठित गिरोह द्वारा अगवा या जबरन नहीं ले जाया गया। जिन्हें बरामद कर लिया है। पूछताछ में पता चला है कि ये लड़कियां निजी, पारिवारिक या व्यक्तिगत कारणों से अपनी मर्जी से घर छोड़कर गई थीं।

विश्व पर्यावरण दिवस : 'ग्रीनोवेटिंग टुमॉरो' के जरिए टाटा स्टील ने दिया पर्यावरण-अनुकूल विकास का संदेश

लुधियाना/यूटर्न/05 जून। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर टाटा स्टील ने लुधियाना में 'ग्रीनोवेटिंग टुमॉरो' नामक विशेष ज्ञान-विनिमय कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में सरकार, उद्योग जगत और शिक्षण संस्थानों से जुड़े विशेषज्ञों ने भाग लेकर इस्पात एवं निर्माण क्षेत्र में सतत विकास और पर्यावरण-अनुकूल तकनीकों पर विचार-विमर्श किया। कार्यक्रम में टाटा स्टील फाउंडेशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सौरव रॉय सहित कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। आयोजन के दौरान विशेषज्ञों द्वारा नेतृत्व संबोधन, पैनल चर्चा और संवाद सत्र आयोजित किए गए। पहले सत्र 'पंजाब में सतत अवसंरचना का भविष्य' में उद्योग, नीति निमार्ताओं और अन्य हितधारकों के बीच सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई। वहीं दूसरे सत्र 'क्या हरित इस्पात निर्माण क्षेत्र का नया मानक बन सकता है?' में कम-कार्बन इस्पात की भूमिका, अवसरों और चुनौतियों पर विचार साझा किए गए। चर्चा के दौरान इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेस (ईएएफ) तकनीक को कम कार्बन उत्सर्जन के साथ गुणवत्तापूर्ण इस्पात उत्पादन के लिए महत्वपूर्ण बताया गया। टाटा स्टील ने हाल ही में लुधियाना में भारत की अपनी पहली स्क्रैप-आधारित इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेस इकाई शुरू की है, जो कंपनी की हरित विनिर्माण और टिकाऊ विकास के प्रति प्रतिबद्धता को दशार्ती है। कार्यक्रम में पंजाब, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और हरियाणा से 150 से अधिक आर्किटेक्ट्स और इंजीनियरों ने भाग लिया। यह आयोजन टाटा समूह के 'सस्टेनेबिलिटी मंथ 2026' के अंतर्गत आयोजित किया गया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर डीएमसीएंडएच और जिला प्रशासन द्वारा पौधारोपण अभियान आयोजित

लुधियाना/यूटर्न/5 जून। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आज डीएमसीएंडएच, लुधियाना ने जिला प्रशासन, लुधियाना के सहयोग से गांव अजनौद में पौधारोपण अभियान आयोजित किया। इस भूमि पर 10,000 पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है और यह अभियान आने वाले दिनों में भी जारी रहेगा। यह अभियान डीएमसीएंडएच और जिला प्रशासन की संयुक्त पर्यावरण संरक्षण पहल का हिस्सा है, जिसके तहत पूरे जिले में 10 लाख पेड़ लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। कार्यक्रम में लगभग 80 लोगों ने भाग लिया, जिनमें मेडिकल प्रशासक, फैकल्टी सदस्य, डॉक्टर, स्टाफ सदस्य और जिला प्रशासन के अधिकारी शामिल थे। कार्यक्रम में डॉ. नरेंद्र (ए डी सी आर डी), जीवन दीप (ईजीएसडीटीओ), अंबर बंदोपाध्याय (सीजीओ), पवनीत सिंह (प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर) और श्वेता (गवर्नेंस एसोसिएट) सहित डीएमसीएंडएच और जिला प्रशासन के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। इस अवसर पर डीएमसीएंडएच मैनेजिंग सोसायटी के सचिव बिपिन गुप्ता ने कहा, पेड़ लगाना हमारे भविष्य में निवेश करने जैसा है। विश्व पर्यावरण दिवस पर हम सभी को मिलकर पर्यावरण की रक्षा और अपने आसपास के वातावरण को अधिक हरा-भरा और स्वस्थ बनाने के लिए काम करना चाहिए। 10 लाख पेड़ लगाने का लक्ष्य आने वाली पीढ़ियों के लिए एक टिकाऊ और बेहतर भविष्य बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

हमारे मंदिर बन रहे छोटे बच्चो के लिए गुरुकुल

सुनील पांडे

लुधियाना/यूटर्न/05 जून। सनातन धर्म मंदिर कमेटी (पंजाब) के सदस्य मंदिरों में मंदिर की कमेटियों द्वारा मंदिरों में गुरुकुल की पाठशाला 1 जून से शुरू की गई है। सनातन धर्म मंदिर कमेटी के संयोजक संजीव धीमान ने जानकारी दी कि पिछले वर्ष से हमने यह छोटा सा प्रयास शुरू किया था। धीमान ने कहा कि हमारे सभी मंदिरों की मंदिर कमिटियां बहुत मेहनत के साथ बहुत ही सुंदर प्रयास कर रही है। धीमान ने कहा अब हमारे मंदिर सिर्फ मंदिर नहीं रहे बल्कि गुरुकुल बन रहे हैं। इसी प्रयास के तहत माँ नैना देवी मंदिर एवं धर्मशाला, न्यू शिमलापुरी, लुधियाना (पंजाब) में बच्चों को भारतीय संस्कृति, सनातन परंपराओं एवं नैतिक मूल्यों से जोड़ने के उद्देश्य से ग्रीष्मकालीन गुरुकुल कक्षाओं का शुभारंभ किया गया। इन कक्षाओं में बड़ी संख्या में बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं।उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में बच्चों को केवल आधुनिक शिक्षा ही नहीं, बल्कि धर्म, संस्कार एवं भारतीय संस्कृति का ज्ञान देना भी अत्यंत आवश्यक है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए मंदिर परिसर में विशेष गुरुकुल कक्षाओं का आयोजन किया जा रहा है। इन कक्षाओं के माध्यम से बच्चों को धर्मज्ञान, संस्कार, मंत्रोच्चारण, योग, प्राणायाम, ध्यान एवं स्वस्थ जीवन शैली की शिक्षा दी जाएगी। साथ ही उन्हें भारतीय सनातन संस्कृति, परंपराओं एवं नैतिक मूल्यों से परिचित कराया जाएगा, जिससे उनका सर्वांगीण विकास हो सके और वे अपने जीवन में श्रेष्ठ संस्कारों को अपनाएं।

यूटर्न टाइम

विश्व पर्यावरण दिवस पर CM सैनी की अपील: हर नागरिक लगाए एक पेड़

लाडवा में पौधारोपण कर दिया पर्यावरण बचाने का संदेश

कुरुक्षेत्र/यूटर्न/05 जून। विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने लोगों से पर्यावरण बचाने के लिए आगे आने की अपील की। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को कम से कम एक पेड़ जरूर लगाना चाहिए और उसकी देखभाल भी करनी चाहिए। लाडवा के पीडब्ल्यूडी विश्राम गृह में पौधारोपण करने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले साल 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान शुरू किया था। इस अभियान को सफल बनाने के लिए सभी नागरिकों को इसमें भाग लेना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यावरण की रक्षा केवल एक दिन की जिम्मेदारी

नहीं है। हमें रोजमर्रा की जिंदगी में ऐसे काम करने चाहिए, जिससे प्रकृति को नुकसान न पहुंचे। पेड़ लगाने से आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ हवा, छाया और बेहतर वातावरण मिलेगा। उन्होंने लोगों से सिंगल यूज प्लास्टिक और पॉलीथीन का इस्तेमाल बंद करने की अपील की। साथ ही कहा कि अपने परिवार और आसपास के लोगों को भी पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूक करें। इस दौरान मुख्यमंत्री ने लाडवा विधानसभा क्षेत्र के लोगों की समस्याएं भी सुनीं और अधिकारियों को उनके जल्द समाधान के निर्देश दिए। कार्यक्रम में कई प्रशासनिक अधिकारी और स्थानीय जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

माता श्री काली देवी मंदिर के सौंदर्यीकरण कार्य शीघ्र होंगे पूर्ण, मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान करेंगे लोकार्पण: बलतेज पन्नू

चंडीगढ़/यूटर्न/05 जून। उत्तर भारत के प्रसिद्ध एवं करोड़ों श्रद्धालुओं की अटूट आस्था के केंद्र ऐतिहासिक माता श्री काली देवी मंदिर में चल रहे सौंदर्यीकरण एवं विकास कार्यों को लेकर सरकार पूरी तरह सक्रिय दिखाई दे रही है। इसी क्रम में आम आदमी पार्टी के मीडिया इंचार्ज बलतेज पन्नू तथा पीआरटीसी के चेयरमैन हरपाल जुनेजा ने मंदिर का विशेष दौरा किया। इस अवसर पर उनके साथ मंदिर कमेटी के वरिष्ठ सदस्य सीए अजे अलीपुरिया सहित जिला प्रशासन और लोक निर्माण

विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

ऑपरेशन सेफ्टी: पांच माह में नशे में वाहन चलाने पर 2749 चालान, 189 वाहन जब्त

अजीत झा

पंचकूला/यूटर्न/05 जून। सड़क हादसों पर अंकुश लगाने और यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए पंचकूला ट्रैफिक पुलिस द्वारा चलाए जा रहे 'ऑपरेशन सेफ्टी' अभियान के तहत पिछले पांच महीनों में नशे में वाहन चलाने वाले चालकों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई है। इस दौरान पुलिस ने 2749 चालान किए, जबकि 189 वाहनों को जब्त (इंपाउंड) किया गया। ट्रैफिक पुलिस द्वारा शहर के विभिन्न स्थानों पर रात्रि के समय विशेष नाकाबंदी कर वाहन चालकों की एल्कोसेंसर मशीनों के माध्यम से जांच की गई। जांच के दौरान शराब के नशे में वाहन

चलाते पाए गए चालकों के खिलाफ मोटर वाहन अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई। एसीपी ट्रैफिक सुरेंद्र सिंह ने कहा कि सड़क पर थोड़ी सी लापरवाही भी किसी परिवार की खुशियां छीन सकती है। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि शराब पीकर वाहन चलाना न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि अपनी और दूसरों की जान को खतरे में डालना भी है। उन्होंने कहा कि पुलिस का उद्देश्य केवल चालान करना नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सुरक्षित घर वापसी सुनिश्चित करना है। वहीं डीसीपी क्राइम एवं ट्रैफिक अमरिंदर सिंह ने कहा कि पंचकूला की सड़कों पर लापरवाही और हुड़दंग के लिए कोई स्थान नहीं है। उन्होंने कहा कि यह अभियान केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं है, बल्कि यातायात नियमों की अनदेखी करने वालों के लिए सख्त चेतावनी भी है। आने वाले समय में नशे में वाहन चलाने वालों के खिलाफ अभियान और अधिक सख्ती से चलाया जाएगा। पुलिस ने नागरिकों से यातायात नियमों का पालन करने, नशे की हालत में वाहन न चलाने और सड़क सुरक्षा को प्राथमिकता देने की अपील की है, ताकि दुर्घटनाओं पर प्रभावी रूप से रोक लगाई जा सके।

चंडीगढ़ नगर निगम की सख्ती जारी: अवैध कब्जों और अनधिकृत कारोबार पर चला अभियान

चंडीगढ़/यूटर्न/05 जून। नगर निगम चंडीगढ़ ने शहर में अवैध कब्जों और अनधिकृत व्यावसायिक गतिविधियों के खिलाफ अपना प्रवर्तन अभियान और तेज करते हुए शुक्रवार को विभिन्न क्षेत्रों में विशेष कार्रवाई की। नगर निगम की प्रवर्तन टीम ने सेक्टर-13 मनीमाजरा स्थित कार बाजार में विशेष अभियान चलाकर सार्वजनिक पार्किंग स्थलों पर अवैध रूप से प्रदर्शित और बिक्री के लिए खड़े किए गए 9 वाहनों को जब्त कर लिया। निगम अधिकारियों ने कहा कि यह कार्रवाई सार्वजनिक पार्किंग स्थलों के मुक्त उपयोग को सुनिश्चित करने और व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए उनके अनधिकृत इस्तेमाल को रोकने के लिए की गई। इसके अलावा प्रवर्तन टीमों ने सेक्टर-20, 21, 18 और 19, इंडस्ट्रियल एरिया फेज-2 तथा गांव कूड़ा अली शेर में बिना लाइसेंस के कारोबार कर रहे रेहड़ी-फड़ी विक्रेताओं और अतिक्रमणकारियों के खिलाफ भी अभियान चलाया। निरीक्षण के दौरान सार्वजनिक स्थानों पर अवैध कब्जे और अनधिकृत वेंडिंग से जुड़े कई उल्लंघन सामने आए। दिनभर चली कार्रवाई के दौरान विभिन्न नियमों के उल्लंघन पर कुल 67 चालान जारी किए गए। नगर निगम ने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक स्थलों को अतिक्रमण और अनधिकृत गतिविधियों से मुक्त रखने, नगर नियमों का पालन सुनिश्चित करने तथा शहर में बेहतर शहरी प्रबंधन बनाए रखने के लिए ऐसे अभियान नियमित रूप से जारी रहेंगे।

5 माह में पंचकूला पुलिस ने 146 भगोड़े दबोचे, हत्या प्रयास से लेकर नशा तस्करी तक के मामलों में थे वांछित

पंचकूला/यूटर्न/05 जून। पंचकूला पुलिस की पीओ (प्रोक्लेम्ड ऑफेंडर) स्टाफ टीम ने फरार और उद्घोषित अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने पिछले पांच महीनों में विभिन्न मामलों में वांछित 146 भगोड़ों को गिरफ्तार कर कानून के शिकंजे में लिया है। डीसीपी क्राइम एवं ट्रैफिक अमरिंदर सिंह ने बताया कि जनवरी से मई 2026 तक चलाए गए अभियान के दौरान जनवरी में 35, फरवरी में 27, मार्च में 21, अप्रैल में 33 और मई में 30 भगोड़ों को गिरफ्तार किया गया। इन आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास, आर्म्स एक्ट, चेक बाउंस, चोरी और नशा तस्करी समेत विभिन्न संगीन मामलों में मुकदमे दर्ज थे।

उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए कई आरोपी ऐसे थे जो बार-बार पुलिस और अदालत के नोटिस के बावजूद न्यायालय में पेश नहीं हो रहे थे। इसके चलते अदालतों ने उन्हें उद्घोषित अपराधी (पीओ) घोषित कर दिया था। कुछ आरोपी जमानत पर रिहा होने के बाद भी फरार हो गए थे, जबकि कई के खिलाफ एक से अधिक मामले दर्ज थे। डीसीपी ने इस सफलता का श्रेय पीओ स्टाफ प्रभारी इंस्पेक्टर वीरेंद्र नैन और उनकी टीम को देते हुए कहा कि उनकी सतर्कता, योजनाबद्ध कार्रवाई और लगातार प्रयासों के कारण लंबे समय से फरार चल रहे आरोपियों को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया जा सका। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, अभियान का मुख्य उद्देश्य न्यायिक प्रक्रिया को प्रभावी बनाए रखना, फरार अपराधियों को कानून के दायरे में लाना और अपराध पर अंकुश लगाना है। पुलिस ने स्पष्ट किया कि भविष्य में भी उद्घोषित अपराधियों और फरार आरोपियों के खिलाफ यह अभियान लगातार जारी रहेगा।

पेज 12 चंडीगढ़ पुलिस के 186 जवानों को एचआईवी...

स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव की बड़ी पहलः पानीपत अस्पताल को 219 नए पद, कुरुक्षेत्र में बनेगा नया पीएचसी

चंडीगढ़/यूटर्न/05 जून। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव के प्रयासों से प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। राज्य सरकार ने पानीपत के 200 बेड वाले जिला नागरिक अस्पताल के लिए 219 नए पदों को मंजूरी दी है। वहीं, कुरुक्षेत्र जिले के थाना उप-स्वास्थ्य केंद्र को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) में अपग्रेड करने की स्वीकृति भी दी गई है।

स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि पानीपत अस्पताल में 122 नियमित पद और 97 पद हरियाणा कौशल रोजगार निगम (एचकेआरएन) के माध्यम से भरे जाएंगे। इनमें डॉक्टर, नर्स, फार्मासिस्ट, लैब तकनीशियन, रेडियोग्राफर, फिजियोथेरेपिस्ट और अन्य जरूरी स्टाफ शामिल हैं। इससे मरीजों को बेहतर और तेज स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकेंगी। इसके अलावा अस्पताल की सफाई, सुरक्षा और प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूत करने के लिए डाटा एंट्री ऑपरेटर, वार्ड सर्वेंट, स्वीपर और सुरक्षा गार्ड भी नियुक्त किए जाएंगे।

वहीं, कुरुक्षेत्र के थाना उप-स्वास्थ्य केंद्र को पीएचसी में बदलने से क्षेत्र के लोगों को स्थानीय स्तर पर बेहतर इलाज की सुविधा मिलेगी। यहां डॉक्टरों, नर्सो, फार्मासिस्ट और लैब तकनीशियन सहित 9 नियमित पदों का सृजन किया गया है। आरती सिंह राव ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में सरकार गांव और शहर दोनों क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए लगातार काम कर रही है। इन फैसलों से हजारों लोगों को लाभ मिलेगा और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में बड़ा सुधार आएगा।

चंडीगढ़ पुलिस ने विश्व पर्यावरण दिवस पर चलाया वृक्षारोपण और स्वच्छता अभियान

डीजीपी सागरप्रीत हूडा

अजीत झा

चंडीगढ़/यूटर्न/05 जून। विश्व पर्यावरण दिवस-2026 के अवसर पर चंडीगढ़ पुलिस ने मिशन लाइफ के उद्देश्यों को बढ़ावा देने के लिए सारंगपुर स्थित आईआरबी कॉम्प्लेक्स में बड़े स्तर पर वृक्षारोपण एवं स्वच्छता अभियान का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, सतत जीवनशैली, पारिस्थितिक संतुलन और प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना था। इस अवसर पर यूटी चंडीगढ़ के डीजीपी डॉ. सागर प्रीत हुड्डा, आईजीपी पुष्पेंद्र कुमार, डीआईजी राजीव रंजन सिंह, एसएसपी सिक्योरिटी एवं ट्रैफिक सुमेर प्रताप सिंह, एसपी मुख्यालय एवं अपराध मजीत श्योराण, आईआरबी कमांडेंट अनुराज डारू सहित अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, डीएसपी, इंस्पेक्टर और बड़ी संख्या में पुलिस कर्मी मौजूद रहे। वृक्षारोपण अभियान के दौरान अधिकारियों और पुलिस कर्मियों ने आम, आंवला, अमरूद, रीठा समेत कई फलदार, औषधीय और पर्यावरण के लिए लाभकारी पौधे लगाए। इन पौधों का चयन उनकी पारिस्थितिक, औषधीय और पोषण संबंधी महत्ता को ध्यान में रखते हुए किया गया। अधिकारियों ने स्वयं पौधारोपण में भाग लेते हुए पौधों की देखभाल और संरक्षण का संकल्प भी लिया। कार्यक्रम के तहत स्वच्छ भारत मिशन की भावना के अनुरूप आईआरबी परिसर में विशेष स्वच्छता अभियान भी चलाया गया। पुलिस अधिकारियों और जवानों ने परिसर की सफाई कर स्वच्छ वातावरण बनाए रखने तथा पर्यावरणीय जिम्मेदारी निभाने का संदेश दिया। इस दौरान वरिष्ठ अधिकारियों ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति चंडीगढ़ पुलिस की प्रतिबद्धता दोहराते हुए सभी पुलिसकर्मियों से प्लास्टिक का कम उपयोग करने, जल एवं ऊर्जा संरक्षण, कचरे के पृथक्करण और पर्यावरण-अनुकूल जीवनशैली अपनाने की अपील की। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आईआरबी कॉम्प्लेक्स के मुख्य द्वार पर अधिकारियों और जवानों के सहयोग से छबील का भी आयोजन किया गया। इसमें आम लोगों, राहगीरों, आगंतुकों और पुलिस कर्मियों को मीठा जल तथा हलवा-चना प्रसाद वितरित किया गया। इस पहल को लोगों ने सराहा और यह सामुदायिक सेवा तथा सामाजिक सद्भाव का प्रतीक बनी।

विश्व पर्यावरण दिवस पर वृक्षारोपण अभियान, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

चंडीगढ़/यूटर्न/05 जून। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर रेव. डॉ. जितेन्द्र सिंह के नेतृत्व में चंडीगढ़ क्षेत्र में वृक्षारोपण एवं जन-जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। दीप कॉम्प्लेक्स (हल्लोमाजरा), जगतपुरा और कंडाला में आयोजित इस अभियान के दौरान विभिन्न स्थानों पर पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम की शुरूआत प्रार्थना सभा से हुई, जिसके बाद स्वयंसेवकों ने वृक्षारोपण में सक्रिय भागीदारी निभाई। इस अवसर पर रेव. डॉ. जितेन्द्र सिंह ने कहा कि पृथ्वी ईश्वर की अनमोल देन है और इसकी रक्षा करना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए निरंतर प्रयास का विषय है। दीप कॉम्प्लेक्स में समाजसेवी बॉबी सिंह, जगतपुरा में सिस्टर सपना एवं डॉ. दीपक कुमार तथा कंडाला में चौधरी बलवीर लंबरदार, डॉ. संदीप कुमार और डॉ. इकराम ने अभियान को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया और अधिक से अधिक वृक्ष लगाने तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया।

पौधे लगाना ही नहीं, उनकी देखभाल करना भी जरूरी - राजेश जैन बॉबी

लुधियाना/यूटर्न/5 जून। न्यू यंग फाइव स्टार क्लब एवं भोले बाबा रत्न मुनि जैन युवा संघ की ओर से विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर दरेसी ग्राउंड में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान युवा रत्न राजेश जैन बॉबी, भाजपा नेता महेश शर्मा, सचिन जैन, राकेश टंडन, राजीव जैन, सोनू रिहालिया, सार्थक जैन, अंकित जैन, अमन जैन सहित अन्य सदस्यों ने पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर राजेश जैन बॉबी ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। बढ़ते प्रदूषण और ग्लोबल वार्मिंग की चुनौती से निपटने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने सभी नागरिकों से पर्यावरण को बचाने के लिए पौधारोपण अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की।

विश्व पर्यावरण दिवस पर बीएसएफ पश्चिमी कमान का मेगा वृक्षारोपण अभियान, 65 हजार से अधिक पौधे लगाए

चंडीगढ़/यूटर्न/05 जून। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की पश्चिमी कमान ने पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से व्यापक वृक्षारोपण अभियान चलाया। बीएसएफ पश्चिमी कमान के अतिरिक्त महानिदेशक सतीश एस. खंडारे ने बीएसएफ परिसर लखनौर में पौधारोपण कर अभियान की शुरूआत की। इस दौरान अधिकारियों, जवानों, नागरिक कर्मचारियों और उनके परिजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए। अभियान के तहत नीम, पीपल, अशोक और फलदार वृक्षों सहित स्थानीय प्रजातियों के पौधों का रोपण किया गया। इस अवसर पर सतीश एस. खंडारे ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण प्रत्येक नागरिक और वदीर्धारी कर्मी की साझा जिम्मेदारी है तथा बीएसएफ हरित और सतत भारत के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है।

रूह से रूबरू

चारू नागपाल

हादसों के पीछे छिपी मानवीय लापरवाही

देश में आए दिन कहीं आगजनी तो कहीं सड़क दुर्घटनाओं की खबरें सुनने को मिलती हैं। इन घटनाओं में अनेक निर्दोष लोग अपनी जान गंवा देते हैं। अधिकांश मामलों में जांच के बाद यह सामने आता है कि हादसे के पीछे किसी न किसी प्रकार की मानवीय लापरवाही जिम्मेदार थी। कहीं भवन निर्माण के नियमों की अनदेखी की गई होती है, कहीं अग्निशमन व्यवस्था पर्याप्त नहीं होती, तो कहीं यातायात नियमों का पालन नहीं किया जाता। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि जब नियम लोगों की सुरक्षा के लिए बनाए गए हैं, तो उनका सख्ती से पालन क्यों नहीं किया जाता? सरकार की जिम्मेदारी है कि वह सुरक्षा मानकों का नियमित निरीक्षण करे और नियम तोड़ने वालों पर कठोर कार्रवाई करे। वहीं आम नागरिकों का भी कर्तव्य है कि वे कानूनों और सुरक्षा निदेशों का पालन करें। केवल जुमार्ने के डर से नहीं, बल्कि मानव जीवन के महत्व को समझते हुए नियमों का सम्मान करना चाहिए। यदि सरकार और जनता दोनों अपनी-अपनी जिम्मेदारियां ईमानदारी से निभाएं, तो अनेक दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है। किसी भी हादसे के बाद दुख व्यक्त करना पर्याप्त नहीं है। आवश्यकता इस बात की है कि हम पहले से सावधानी बरतें, ताकि कोई भी निर्दोष व्यक्ति लापरवाही की कीमत अपनी जान देकर न चुकाए।

कानूनी बात - निशांत प्रभाकर के साथ

क्या Divorce के बाद भी Domestic Violence Act चल सकता है?

निशांत प्रभाकर, एडवोकेट

अक्सर लोग यह मान लेते हैं कि Divorce हो जाने के बाद Domestic Violence Act के तहत कोई कार्रवाई नहीं की जा सकती। लेकिन कानूनी स्थिति हर मामले में इतनी सरल नहीं होती।

यदि Domestic Violence, harassment, economic abuse, या अन्य alleged acts विवाह के दौरान हुए थे, तो कई परिस्थितियों में Divorce के बाद भी महिला कानूनी राहत मांग सकती है।

Protection of Women from Domestic Violence Act का उद्देश्य केवल वैवाहिक संबंध को देखना नहीं, बल्कि उस दौरान हुए alleged abuse और उसके प्रभाव को भी देखना है।

महिला protection orders, monetary relief, compensation, या अन्य राहत के लिए आवेदन कर सकती है, यदि मामला कानून की आवश्यकताओं के भीतर आता हो। हालांकि, हर Divorce के बाद automatically Domestic Violence case maintainable होगा—ऐसा नहीं है। अदालत यह देखती है कि alleged incidents कब हुए, relationship की nature क्या थी, और claim कानून के दायरे में आता है या नहीं। यह भी महत्वपूर्ण है कि Domestic Violence proceedings और Divorce proceedings अलग-अलग कानूनी प्रक्रियाएं हैं। एक का परिणाम हमेशा दूसरे को स्वतः समाप्त नहीं करता।

कई लोग Divorce Decree को सभी disputes का अंत मान लेते हैं, जबकि कुछ कानूनी अधिकार और remedies बाद में भी जारी रह सकते हैं।

निष्कर्ष: कुछ परिस्थितियों में Divorce के बाद भी Domestic Violence proceedings जारी रह सकती हैं। हर मामले का निर्णय उसके तथ्यों, समय और कानूनी आधार के अनुसार किया जाता है।

मां बगालमुखी की कृपा से जीवन में खुलते है सफलता के नए द्वार - महंत प्रवीण चौधरी

लुधियाना/यूटर्न/5 जून। मां बगालमुखी के सिद्ध स्थान मां बगलामुखी धाम में महंत प्रवीण चौधरी के सानिध्य में विशेष व्यापार वृद्धि यज्ञ का भव्य आयोजन किया गया। वैदिक मंत्रोच्चारण और पूजा-अर्चना के साथ हजारों श्रद्धालुओं, व्यापारियों एवं भक्तों ने हवन कुंड में विधि-विधान से आहुतियां अर्पित कर जगत जननी मां बगलामुखी की आराधना की कर अपने व्यापार एवं कारोबार की उन्नति के लिए प्रार्थना की व जीवन में आने वाली बाधाओं को दूर करने की कामना की। धाम में आयोजित इस हवन यज्ञ के दौरान श्रद्धालुओं को धार्मिक ऊर्जा और आत्मिक शांति प्रदान की। महंत प्रवीण चौधरी ने मां बगलामुखी की आराधना से व्यक्ति को आत्मबल प्राप्त होता है तथा उसके कार्यों में आने वाली नकारात्मक शक्तियां दूर होती हैं। वही धर्म और कर्म के मार्ग पर चलते हुए मां की कृपा से जीवन में सफलता के नए द्वार खुलते हैं। इस अवसर पर मनप्रीत छतवाल, सुनील महाजन, रमन घई, जतिन्द्र सूद, मोहित सूद, सुधीर महाजन, गौरव कालिया, सुनील हांडा, जतिन सूद, संदीप सूद, तरुण चौधरी, परमवीर चौधरी, नरिन्द्र सिंगला, इकबाल सिंह, बलजीत त्रिखा, गौतम सचदेवा, नरिन्द्र महाजन, अंकुश सिंगला, चेतन टंडन, साहिल सिंगला, राज सोंलकी, पंकज गुप्ता, दीपक गर्ग, दिनेश रल्ली, वरूण जैन, मनीष गुप्ता, विजय गुप्ता, प्रवेश चड्ढा सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर राज्यपाल कटारिया ने किया वृक्षारोपण, युवाओं से पर्यावरण संरक्षण का आह्वान

चंडीगढ़/यूटर्न/05 जून। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पंजाब के राज्यपाल एवं यूटी चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया ने पंजाब लोक भवन में आयोजित वृक्षारोपण अभियान में भाग लेकर पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में कटारिया ने अपनी धर्मपत्नी अनीता कटारिया और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए। इस दौरान उन्होंने आँवला, जबकि अनीता कटारिया ने अमलतास का पौधा रोपा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कटारिया ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण सामूहिक जिम्मेदारी है और युवाओं को वृक्षारोपण तथा पौधों के संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि वृक्ष पर्यावरण संतुलन बनाए रखने, वायु गुणवत्ता सुधारने और आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वस्थ वातावरण सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान को माताओं के प्रति सम्मान और पर्यावरणीय जिम्मेदारी का अनूठा संगम बताते हुए अधिक से अधिक लोगों से इससे जुड़ने की अपील की। राज्यपाल ने कहा कि चंडीगढ़ अपनी हरियाली के लिए देशभर में जाना जाता है और प्रशासन वृक्षारोपण, जैव विविधता संरक्षण तथा जनभागीदारी के माध्यम से इसे और मजबूत बनाने के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है।

पंजाब विश्वविद्यालय में विश्व पर्यावरण दिवस पर वृक्षारोपण, स्वच्छता और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

चंडीगढ़/यूटर्न/05 जून। पंजाब विश्वविद्यालय में विश्व पर्यावरण दिवस 2026 के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) द्वारा माय भारत, चंडीगढ़ और स्टूडेंट्स फॉर डेवलपमेंट (एसएफडी), चंडीगढ़ के सहयोग से विभिन्न पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन डॉ. एसएसबीयूआईसीईटी मैदान में कुलपति प्रो. रेणु विग के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिकारियों, संकाय सदस्यों, एनएसएस स्वयंसेवकों और विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अनुपम बहरी, कार्यक्रम समन्वयक एनएसएस, डॉ. नेमी चंद गोलिया, राज्य संपर्क अधिकारी, चंडीगढ़ तथा श्री विनय कुमार, जिला युवा अधिकारी, चंडीगढ़ के मार्गदर्शन में किया गया। विश्व पर्यावरण दिवस के तहत वृक्षारोपण अभियान, पोस्टर निर्माण, स्लोगन लेखन, गमला सजावट प्रतियोगिता, प्लॉग रन तथा स्वच्छता अभियान जैसी गतिविधियां आयोजित की गईं।

यूटर्न टाइम

विश्व पर्यावरण दिवस पर लुधियाना ने दिखाई एकजुटता, प्लॉगर्स ड्राइव 2.0 में 1300 से अधिक लोगों ने लिया भाग

लुधियाना/यूटर्न/05 जून। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर फिलैंथ्रोपी क्लब द्वारा जिला प्रशासन, नगर निगम लुधियाना और सिटी नीड्स के सहयोग से आयोजित प्लॉगर्स ड्राइव 2.0 के माध्यम से शहरवासियों ने प्लास्टिक प्रदूषण के खिलाफ एकजुट होकर स्वच्छ और हरित लुधियाना का संदेश दिया। इस अभियान में मुख्य अतिथि के रूप में डिप्टी कमिश्नर हिमांशु जैन, नगर निगम कमिश्नर डॉ. नीरू कत्याल, एडीसी (जनरल) पायल गोयल तथा ज्वाइंट कमिश्नर जसदेव सेखों सहित कई प्रशासनिक अधिकारियों ने भाग लिया। अभियान में 1300 से अधिक नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। सुबह 5:30 बजे शहर के 25 से अधिक विभिन्न रूटों से प्रतिभागियों ने जॉगिंग करते हुए प्लास्टिक कचरा एकत्रित किया। एकत्रित कचरे को रोज गार्डन के बाहर नगर निगम के निर्धारित स्थल पर जमा करवाया गया। इस मुहिम में लगभग 35 एनजीओ, स्कूल, कॉलेज, कॉर्पोरेट संस्थान और शैक्षणिक संस्थाएं शामिल हुईं। फिलैंथ्रोपी क्लब की संस्थापक लखमिंदर कौर (डिक्की छाबड़ा) ने बताया कि अभियान के तहत सराभा नगर, मल्हार रोड, घुमाड़ मंडी, मॉडल टाउन, शिमलापुरी, साउथ सिटी रोड, दुगरी, पीएयू रोड, मॉल रोड, प्रीत पैलेस, भारत नगर चौक सहित विभिन्न क्षेत्रों में 35 टीमों ने प्लास्टिक कचरा एकत्रित किया। डिप्टी कमिश्नर हिमांशु जैन ने सतलुज क्लब से एक टीम को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और पर्यावरण संरक्षण के लिए सामुदायिक भागीदारी की आवश्यकता पर बल दिया। वहीं नगर निगम कमिश्नर डॉ. नीरू कत्याल ने श्री राम ग्लोबल प्री स्कूल, मॉल रोड से एक अन्य टीम को रवाना किया।

पंजाब कृषि विश्वविद्यालय (पी.ए.यू.) कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा 'खेत बचाओ' अभियान के तहत विश्व पर्यावरण दिवस मनाया

दलजीत अज्नोहा

हशियारपुर/यूटर्न/05 जून। पी.ए.यू. कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा सनराइज इंटरनेशनल कॉन्वेंट स्कूल, मन्ननहाना में 'खेत बचाओ' अभियान के तहत विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत में स्कूल प्रिंसिपल कुलजीत कौर संधू ने के.वी.के. की टीम का स्वागत किया और विश्व पर्यावरण दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों में पर्यावरण संबंधी जागरूकता पैदा करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए उन्हें प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा, स्वच्छ और हरियाली वाले वातावरण को बनाए रखने के लिए सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। कैम्प के दौरान कृषि विज्ञान केंद्र के सहायक निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. मनिंदर सिंह बॉस ने के.वी.के. की गतिविधियों और सेवाओं के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने मिट्टी परख, प्रशिक्षण कार्यक्रमों और अन्य सुविधाओं के बारे में जानकारी करवाई। उन्होंने पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना तथा पी.ए.यू. कृषि कॉलेज, बल्लोवाल सौंखड़ी, शहीद भगत सिंह नगर में उपलब्ध शिक्षा के अवसरों के बारे में भी बताया। सहायक प्रोफेसर (कृषि मशीनरी) डॉ. अजैब सिंह ने पर्यावरण की रक्षा में विद्यार्थियों की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने प्रदूषण के विभिन्न कारणों के बारे में जानकारी दी और फसल अवशेषों को जलाने की समस्या पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि पंजाब कृषि विश्वविद्यालय पर्यावरण के अनुकूल तकनीकों के माध्यम से किसानों को पराली प्रबंधन में सहायता प्रदान कर रहा है।

सड़क किनारे मिली अज्ञात व्यक्ति की लाश, पुलिस कर रही जांच

लुधियाना/यूटर्न/5 जून। टिब्बा रोड स्थित जैन कॉलोनी के पास शुक्रवार को अज्ञात व्यक्ति की लाश सड़क किनारे मिलने से दहशत फैल गई।

पुलिस चौकी सुभाष नगर की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने आसपास मौजूद लोगों से मृतक की पहचान करवाने का प्रयास किया, लेकिन उसकी शिनाख्त नहीं हो सकी। पुलिस के अनुसार मृतक ने काले रंग की शर्ट और हल्के नीले रंग की पैंट पहन रखी थी। उसके पास से ऐसा कोई दस्तावेज बरामद नहीं हुआ, जिससे उसकी पहचान हो सके। चौकी इंचार्ज रजिंदर सिंह ने बताया कि शुरूआती जांच में ऐसा प्रतीत हो रहा है कि व्यक्ति की मौत अत्यधिक गर्मी के कारण हुई हो सकती है। हालांकि मौत के सही कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पहचान के लिए सिविल अस्पताल की मोर्चरी में 72 घंटे के लिए रखवा दिया है।

लुधियाना में गायब हुई 9 लड़कियो का पुलिस द्वारा पता न लगा पाना गंभीर चिंता का विषय - तीक्षण सूद

दलजीत अज्नोहा

होशियारपुर/यूटर्न/05 जून। पूर्व कैबिनेट मंत्री व वरिष्ठ भाजपा नेता तीक्ष्ण सूद द्वारा कहा गया है पंजाब में कानून व्यवस्था की स्थिति दिन व दिन बुरी हालत में पहुँच रही है। इस समय अपराधियों को सरकार का कोई डर ,खौफ नहीं पर आम नागरिकों में भी सुरक्षा का आभाव नजर आ रहा है नित प्रति बम्ब धमाको ,गोलिया चलने ,डकैतियों, फिरोतियो व चोरीयों ने लोगो की नींद पहले ही उड़ा रखी है, जिससे लोगो में असुरक्षा की भावना भरी पड़ी है। इन सभी समस्याओं का इलाज तो क्या होना था। अब एक नई तरह के अपराध ने लोगो की नींद हराम कर दी है। गत अप्रैल ,मई दो महीनो में लुधियाना से 9 नौजवान लड़कियो का गायब हो जाने एक बड़ी चिंता का कारण बना हुआ है इसका संज्ञान स्वम महिला कमिशन की चेयरमैन ने खबरों के आधार से लिया है तथा पुलिस कमिशनर से रिपोर्ट भी मांगी है। परन्तु इसमें भी बड़ी चिंता की बात यह है कि पुलिस अभी तक किसी भी लड़की को नहीं ढूढ पाई। लोगों में यह धारणा पक्की हो चुकी है पुलिस को केवल राजनीतिक बदला खोरी के लिए सत्ताधारी पार्टी द्वारा प्रयोग किया जा रहा है। जब पुलिस से सरकार ही जबरदस्ती गलत काम लेना शुरू कर दे तब पुलिस का मनोबल भी गिरता है। ऐसी घटनाएं मान सरकार के माथे पर कलंक है जिसे रोक पाना इनके लिये बहुत मुश्किल है। पंजाब की जनता 2027 में सरकार की इस ना लायकी का वोट की चोट से बदला लेने को तैयार बैठी है।

नौकरी के लिए धरना दे रहे लोगों पर लाठीचार्ज, 10 हिरासत में लिए

पंजाब/यूटर्न/5 जून। पटियाला में शुक्रवार को 2600 अप्रेंटिस लाइनमैन यूनियन के प्रदर्शन के दौरान माहौल तनावपूर्ण हो गया। अपनी मांगों को लेकर पावरकॉम मुख्यालय के बाहर धरना दे रहे प्रदर्शनकारियों पर पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। इस दौरान कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया। यूनियन ने पुलिस पर जबरन कार्रवाई करने के आरोप लगाए हैं। यूनियन का कहना है कि वे लंबे समय से नौकरी संबंधी मांगों को लेकर संघर्ष कर रहे हैं। सरकार और अधिकारियों के आश्वासनों के बावजूद कोई समाधान नहीं निकला, जिसके चलते उन्हें दोबारा आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ा। 2600 अप्रेंटिस लाइनमैन यूनियन के सदस्य अपनी मांगों को लेकर पटियाला स्थित पावरकॉम मुख्यालय के सामने धरना दे रहे थे। शुक्रवार को प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने कार्रवाई करते हुए प्रदर्शनकारियों को हटाने की कोशिश की, जिसके बाद हालात तनावपूर्ण हो गए। यूनियन नेता आकाश कंबोज ने बताया कि सभी सदस्य तकनीकी परीक्षा पास कर चुके हैं। उनके अनुसार सरकार की ओर से आश्वासन दिया गया था कि पंजाबी भाषा की एक क्वालिफाइंग परीक्षा के बाद उन्हें नौकरी के लिए पात्र माना जाएगा।

कोचिंग सेंटरों में फायर सेफ्टी व्यवस्था की जांच, कई खामियां मिलीं

चंडीगढ़/यूटर्न/05 जून। गर्मियों के मौसम में आगजनी की घटनाओं से बचाव और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के उद्देश्य से नगर निगम चंडीगढ़ के फायर एंड रेस्क्यू सर्विसेज विभाग ने सेक्टर-24 और सेक्टर-25 स्थित कोचिंग सेंटरों का औचक निरीक्षण किया। यह अभियान संयुक्त आयुक्त-सह-मुख्य अग्निशमन अधिकारी डॉ. इंदरजीत के नेतृत्व में चलाया गया, जिसमें सेक्टर-17, सेक्टर-32 और सेक्टर-38 फायर स्टेशनों के स्टेशन फायर अधिकारियों ने भाग लिया।

निरीक्षण के दौरान कई कोचिंग संस्थानों में अग्नि सुरक्षा, अग्नि संरक्षण और जीवन सुरक्षा से संबंधित व्यवस्थाओं में कमियां पाई गईं। अधिकारियों ने संबंधित संस्थानों के प्रबंधन को तुरंत खामियां दूर करने और चंडीगढ़ फायर सेफ्टी नियमों तथा निर्धारित सुरक्षा मानकों का पूर्ण पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। डॉ. इंदरजीत ने कहा कि कोचिंग सेंटरों में बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहते हैं, इसलिए वहां मजबूत अग्नि सुरक्षा ढांचा और आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली का हर समय कार्यरत रहना बेहद जरूरी है। उन्होंने चेतावनी दी कि फायर सेफ्टी नियमों की अनदेखी मानव जीवन के लिए गंभीर खतरा बन सकती है और ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि शहरभर में अग्नि सुरक्षा तैयारियों को और बेहतर बनाने के लिए सभी स्टेशन फायर अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में निरीक्षण अभियान तेज करने और व्यापक फायर सेफ्टी ऑडिट करने के निर्देश दिए गए हैं।

यूटी चंडीगढ़ के प्रशासक ने इंदिरा हॉलिडे होम, सेक्टर-24 की सुविधाओं का किया निरीक्षण

चंडीगढ़/यूटर्न/05 जून। पंजाब के राज्यपाल एवं यूटी चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया ने आज सेक्टर-24 स्थित इंदिरा हॉलिडे होम का दौरा कर वहां उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं एवं सेवाओं की समीक्षा की। इस अवसर पर यूटी चंडीगढ़ के मुख्य सचिव एच. राजेश प्रसाद, पंजाब के राज्यपाल के अतिरिक्त मुख्य सचिव वी.पी. सिंह, यूटी चंडीगढ़ के समाज कल्याण विभाग की सचिव अनुराधा चगती तथा चंडीगढ़ प्रशासन के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उनके साथ उपस्थित रहे। दौरे के दौरान प्रशासक ने

संस्थान के विभिन्न अनुभागों का निरीक्षण किया तथा आवास, स्वच्छता, स्वास्थ्य सेवाओं, मनोरंजन एवं निवासियों के समग्र कल्याण से संबंधित व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने संस्थान के प्रबंधन एवं कर्मचारियों से संवाद कर इसकी कार्यप्रणाली की जानकारी भी प्राप्त की।

अधिकारियों ने प्रशासक को संस्थान की कार्यप्रणाली, संचालित गतिविधियों तथा सुविधाओं के उन्नयन के लिए किए जा रहे प्रयासों के बारे में अवगत कराया। कटारिया ने देखभाल एवं सेवा के उच्च मानकों को बनाए रखने पर बल देते हुए संबंधित अधिकारियों को आधारभूत ढांचे को और सुदृढ़ करने तथा सेवा प्रदायगी में सुधार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि निवासियों को सुरक्षित, सुविधाजनक एवं सम्मानजनक वातावरण उपलब्ध कराया जा सके। प्रशासक ने संस्थान के कर्मचारियों के प्रयासों की सराहना की तथा निवासियों को गुणवत्तापूर्ण देखभाल एवं कल्याणकारी सेवाएं उपलब्ध कराने के महत्व पर बल दिया।

मनीमाजरा में दुकान में आग लगाने वाला पूर्व कर्मचारी गिरफ्तार, नौकरी से निकाले जाने का लिया था बदला

चंडीगढ़/यूटर्न/05 जून। मनीमाजरा मोटर मार्केट स्थित एक कार सीट कवर की दुकान में आगजनी के मामले को सुलझाते हुए चंडीगढ़ पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने दुकान में आग लगाने के आरोप में उसके पूर्व कर्मचारी तोहीद को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया है कि आरोपी ने नौकरी से निकाले जाने की रंजिश में पेट्रोल और माचिस की मदद से दुकान को आग लगा दी थी, जिससे करीब 1.5 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। पुलिस के अनुसार, मौली जागरां निवासी मनुदीन, जो मनीमाजरा मोटर मार्केट में स्थित ह्यबेस्ट कार सीट कवरह्न

दुकान के मालिक हैं, ने शिकायत दर्ज करवाई थी कि 29 मई को उनकी दुकान में आग लग गई थी। शुरूआत में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा था, लेकिन आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच के दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति घटना से पहले दुकान के आसपास घूमता दिखाई दिया। शिकायतकर्ता ने उसकी पहचान अपने पूर्व कर्मचारी तोहीद के रूप में की, जो करीब दो से तीन वर्षों तक दुकान में काम कर चुका था और उसे एक माह पहले नौकरी से निकाल दिया गया था। पुलिस जांच और पूछताछ के दौरान आरोपी ने स्वीकार किया कि नौकरी से निकाले जाने के बाद उसने बदला लेने की नीयत से दुकान में पेट्रोल छिड़ककर आग लगाई थी। आग लगने से दुकान में रखा सामान पूरी तरह जल गया और लगभग 1.5 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ।

सेक्टर 30 का आदतन अपराधी राहुल उर्फ चमुंडा अवैध कमानीदार चाकू समेत गिरफ्तार

अजीत झा

चंडीगढ़/यूटर्न/05 जून। इंडस्ट्रियल एरिया थाना पुलिस ने आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए एक आदतन अपराधी को अवैध कमानीदार चाकू सहित गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार 4 जून की रात सेक्टर-29 सी-डी डिवाइडिंग रोड पर गश्त के दौरान संदेह के आधार पर सेक्टर 30 निवासी राहुल उर्फ चमुंडा को काबू किया गया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से एक कमानीदार चाकू बरामद हुआ, जिसके संबंध में वह कोई वैध लाइसेंस या अनुमति पत्र पेश नहीं कर सका। इसके बाद उसके खिलाफ थाना इंडस्ट्रियल एरिया में आर्म्स एक्ट की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया गया। जांच के दौरान बरामद चाकू को कब्जे में लेकर आरोपी को अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार राहुल उर्फ चमुंडा एक आदतन अपराधी है और उसके खिलाफ लूट, हत्या के प्रयास, मारपीट, दंगा, धमकी तथा अन्य संगीन धाराओं में सात आपराधिक मामले पहले से दर्ज हैं। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि शहर में अपराध पर अंकुश लगाने और असामाजिक तत्वों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई है तथा भविष्य में भी ऐसे तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

डेंगू रोकथाम के लिए स्वास्थ्य विभाग की विशेष मुहिम, वार्ड-14 में लार्वा जांच

लालडू/यूटर्न/05 जून। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) लालडू के एसएमओ डॉ. नवीन कौशिक के निर्देशन में हर शुक्रवार चलाए जा रहे 'डेंगू पर वार' अभियान के तहत स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने वार्ड नंबर-14 और आसपास के क्षेत्रों में डेंगू के लार्वा की जांच की। जांच के दौरान जिन कंटेनरों में मच्छरों का लार्वा पाया गया, उसे मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। नोडल अधिकारी डॉ. नतीस ने डेंगू प्रभावित संभावित क्षेत्रों का निरीक्षण करते हुए लोगों को जागरूक किया। उन्होंने लोगों से घरों में रखी पानी की टंकियों, फ्रिज की ट्रे और अन्य जल स्रोतों की नियमित सफाई करने की अपील की। उन्होंने कहा कि छतों पर पशुओं के लिए रखे पानी के बर्तनों को सप्ताह में कम से कम एक बार साफ किया जाए तथा पानी को हमेशा ढककर रखा जाए ताकि मच्छरों का प्रजनन न हो सके। डॉ. नतीस ने बताया कि डेंगू का मच्छर दिन के समय काटता है, इसलिए लोगों को पूरे शरीर को ढकने वाले कपड़े पहनने चाहिए। उन्होंने बुखार आने पर स्वयं दवा लेने या घरेलू नुस्खों का इस्तेमाल करने से बचने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि डेंगू की जांच और उपचार सरकारी अस्पतालों में निःशुल्क उपलब्ध है। इस अवसर पर शिव कुमार (एसआई), विशाल शर्मा, हरमेल सिंह सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

पंजाब की औद्योगिक नीतियों पर उठे सवाल, IDF बंद होने से उद्योग जगत में बढ़ी चिंता

उपशीर्षक: 'नीतियों में बार-बार बदलाव से निवेशकों का भरोसा टूट रहा है' – के.के. गर्ग

पंजाब/यूटर्न/05 जून। उद्योगों को बढ़ावा देने और नए निवेश को आकर्षित करने के सरकारी दावों के बीच औद्योगिक क्षेत्र से जुड़ी चिंताएं लगातार बढ़ रही हैं। उद्योगपति और उद्योग संगठनों का कहना है कि सरकार की नीतियों में अचानक किए जा रहे बदलावों से निवेशकों का भरोसा कमजोर हो रहा है। उद्योगपति के.के. गर्ग ने इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट फंड (IDF) को बंद किए जाने के फैसले पर गंभीर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 में जब औद्योगिक नीति के तहत उद्योगों को विभिन्न प्रोत्साहन देने की घोषणा की गई थी, तब उन्हीं वादों और प्रोत्साहनों को ध्यान में रखकर कई उद्यमियों ने पंजाब में अपने उद्योग स्थापित किए थे। लेकिन अब 2026 में जारी अधिसूचना के जरिए [illegible] का लाभ बंद कर दिया गया है, जिससे उद्योग जगत को बड़ा झटका लगा है।

गर्ग ने कहा कि जब कोई उद्योगपति करोड़ों रुपये का निवेश करता है तो वह सरकार की घोषित नीतियों और प्रोत्साहनों पर भरोसा करके ही ऐसा करता है। यदि बाद में सरकारें बदलने के साथ नीतियां भी बदल जाएं, तो इससे निवेशकों का विश्वास डगमगा जाता है। उनका कहना था कि सरकार चाहे किसी भी दल की हो, उद्योगों से जुड़े वादों और नीतियों में स्थिरता बनी रहनी चाहिए। उन्होंने बताया कि पहले भी उद्योगपतियों ने इस मुद्दे को लेकर राज्यसभा सांसद संजीव अरोड़ा से मुलाकात की थी। उनके प्रयासों के बाद कुछ समय के लिए इस फैसले पर रोक भी लगी, लेकिन बाद में इसे फिर लागू कर दिया गया। गर्ग ने कहा कि इस तरह के फैसले उद्योग जगत के लिए निराशाजनक हैं और इससे पंजाब में नए निवेश आने की संभावनाएं प्रभावित हो सकती हैं। मंडी गोबिंदगढ़ की स्टील इंडस्ट्री का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 के बाद बिजली दरों में राहत, जीएसटी और अन्य करों में रियायतों के कारण उद्योगों को राहत मिली थी और उद्योग क्षेत्र दोबारा पटरी पर लौटने लगा था। लेकिन अब बिजली दरों में बढ़ोतरी और IDF जैसे प्रोत्साहनों को वापस लेने से उद्योग फिर से दबाव में आ गए हैं। गर्ग के अनुसार पंजाब के उद्योग पहले ही श्रमिकों की कमी जैसी गंभीर समस्याओं का सामना कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश, बिहार और अन्य राज्यों में औद्योगिक विकास बढ़ने से बड़ी संख्या में श्रमिक वहीं रोजगार पा रहे हैं, जिसका असर पंजाब के उद्योगों पर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि यदि पंजाब सरकार उद्योगों को आकर्षित करना चाहती है तो उसे स्थिर और भरोसेमंद नीतियां लागू करनी होंगी। अन्यथा निवेशक और उद्योगपति दूसरे राज्यों की ओर रुख कर सकते हैं, जिससे पंजाब के औद्योगिक विकास और रोजगार सृजन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

गाड़ी क्रॉसिंग को लेकर गोलियां मार निहंग की हत्या, फिर युवक ने अपने सिर में मारी गोली

दोस्त को जख्मी देख लाश पर चढ़ चलाई गोलियां

पंजाब/यूटर्न/5 जून। गुरदासपुर के बटाला में गाड़ी क्रॉस करने को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। बहसबाजी के दौरान दोनों ओर से गोलियां चलीं। चश्मदीदों के अनुसार, पहले फॉर्च्यूनर सवार एक युवक ने पिस्तौल निकालकर 2 से 3 फायर किए। इसके बाद दूसरी तरफ मौजूद निहंग ने भी जवाबी फायरिंग की, जिसमें फॉर्च्यूनर सवार एक युवक घायल हो गया। इसके बाद दूसरे पक्ष की ओर से ताबड़तोड़ गोलियां चलाई गईं, जिससे निहंग की मौत हो गई और वहीं जमीन पर गिर गया। निहंग को गोली मारने वाले युवक ने फिर अपनी ही पिस्तौल से खुद के सिर में गोली मारकर आत्महत्या की कोशिश की। दोस्त को गोली लगी देखकर उसके साथी ने गुस्से में आकर निहंग की लाश पर चढ़कर 2 और फायर किए। चश्मदीदों के मुताबिक, मौके पर 15 राउंड गोलियां चलीं हैं। मृतक की पहचान निहंग दीपइंदर सिंह के नाम से हुई, जबकि दूसरे पक्ष के घायलों की पहचान जगजीत सिंह और उसके भाई कमलप्रीत सिंह के रूप में हुई है। एसएसपी डॉ. महताब सिंह ने कहा कि केस दर्ज कर लिया है, मामले की जांच कर रहे हैं। फॉर्च्यूनर सवार ने फायरिंग की

चश्मदीद जसपाल सिंह ने बताया कि दोनों पक्षों के बीच गाड़ी निकालने की बात को लेकर बहसबाजी हो रही थी। पास खड़े लोगों ने सोचा कि उनका झगड़ा छुड़ा दिया जाए, ताकि बात आगे न बढ़े। लेकिन इसी दौरान फॉर्च्यूनर गाड़ी में बैठे एक लड़के ने अचानक अपनी पिस्तौल निकाल ली। जब लोग बीच-बचाव के लिए आगे बढ़ने लगे, तो फॉर्च्यूनर सवार उस लड़के ने सड़क की तरफ 2 से 3 फायर कर दिए। दूसरी तरफ निहंग दीपइंदर सिंह ने भी अपनी पिस्तौल से गोलियां चला दीं। गोली फॉर्च्यूनर सवार एक लड़के की टांग पर लगी। इसके बाद गुस्से में फॉर्च्यूनर सवार दूसरे युवक ने निहंग पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं, जिससे निहंग की मौके पर ही मौत हो गई।

हमलावर ने की खुदकुशी की कोशिश

जसपाल सिंह ने बताया कि निहंग सिंह को गोली मारने के तुरंत बाद, उस युवक ने अपनी ही पिस्तौल से अपने सिर में गोली मार ली। इस बीच फॉर्च्यूनर सवारों के साथ मौजूद एक अन्य युवक ने जब देखा कि उसके साथी को गोली लग गई है, तो उसने गुस्से में आकर गिरे हुए निहंग के ऊपर चढ़कर 2 से 3 और फायर किए।

जोबनप्रीत की रिहाई में देरी का मामला हाईकोर्ट पहुंचा, पिता ने याचिका की दायर

पंजाब/यूटर्न/5 जून। जोबनप्रीत सिंह की गिरफ्तारी को अवैध घोषित कर तत्काल रिहाई के आदेश दिए जाने के बाद अब यह मामला एक नए कानूनी मोड़ पर पहुंच गया है। जोबनप्रीत के पिता मुखवंत सिंह ने पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट में अवमानना याचिका दायर कर आरोप लगाया है कि अदालत के स्पष्ट आदेश के बावजूद उनके बेटे को समय पर रिहा नहीं किया गया। साथ ही यह भी आरोप लगाया गया कि पुलिस अधिकारियों ने उसकी दोबारा गिरफ्तारी की तैयारी कर ली थी। मामले की सुनवाई के दौरान जस्टिस संजीव वशिष्ठ की अदालत ने याचिकाकर्ता को कोई राहत नहीं दी। कोर्ट ने अवमानना याचिका को वापस लेने की छूट देते हुए खारिज कर दिया और याची को उचित राहत के लिए संबंधित इलाका मजिस्ट्रेट के समक्ष जाने की सलाह दी।

हाईकोर्ट ने गिरफ्तारी को बताया था अवैध

दायर याचिका में कहा गया है कि 3 जून 2026 को पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट ने सुनवाई के दौरान जोबनप्रीत सिंह की गिरफ्तारी और हिरासत को संविधान के अनुच्छेद 21 और 22(1) का उल्लंघन मानते हुए अवैध घोषित किया था। अदालत ने उसकी तत्काल रिहाई के आदेश जारी किए थे। हालांकि, राज्य सरकार को कानून के अनुसार आगे की कार्रवाई करने की स्वतंत्रता भी दी गई थी।

सेक्टर-56 में जन्मदिन पार्टी के दौरान जानलेवा हमला, 8 आरोपी और एक नाबालिग गिरफ्तार

चंडीगढ़/यूटर्न/05 जून। चंडीगढ़ पुलिस ने असामाजिक तत्वों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल करते हुए हत्या के प्रयास के एक मामले में आठ आरोपियों और एक नाबालिग को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से डंडे और चाकू भी बरामद किए हैं।

पुलिस के अनुसार, यह मामला थाना सेक्टर-39 में दर्ज एफआईआर नंबर 96, दिनांक 4 जून 2026 के तहत दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता रोहित निवासी सेक्टर-56 ने पुलिस को बताया कि 3 जून की रात वह अपने साले का जन्मदिन सेक्टर-56 स्थित फोर मंजिला क्वार्टरों के पीछे पार्क में मना रहा था। रात करीब 10 बजे शिवा, कृष, ऋषि, पीके और उनके 10-12 साथी वहां पहुंचे और उन पर चाकू, तलवार, गंडासी और डंडों से हमला कर दिया। शिकायत के मुताबिक, जब रिकी नामक युवक बीच-बचाव करने आया तो आरोपियों ने उस पर भी चाकू और धारदार हथियारों से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। वारदात के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। घायल रिकी को उपचार के लिए जीएमसीएच-32 में भर्ती कराया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सुमेर प्रताप सिंह के निदेर्शो, एसपी सिटी के.एम. प्रियंका के मार्गदर्शन और एसडीपीओ साउथ-वेस्ट धीरज कुमार की निगरानी में थाना सेक्टर-39 की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक नाबालिग समेत कुल नौ आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों में हिमांशु उर्फ विशाल, उदय, जसबीर सिंह उर्फ सांघा, हरप्रीत सिंह उर्फ शिवा, तुषार, सचिन, कृष और हरप्रीत सिंह उर्फ हरमन शामिल हैं। पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी हरप्रीत सिंह उर्फ शिवा का आपराधिक रिकॉर्ड भी रहा है और उसके खिलाफ पहले हत्या, हत्या के प्रयास, मारपीट तथा आर्म्स एक्ट के तहत कई मामले दर्ज हैं। पुलिस ने मुख्य आरोपी हरप्रीत सिंह उर्फ शिवा और कृष को अदालत में पेश कर एक दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है। पुलिस मामले में अन्य आरोपियों की भूमिका और हमले के कारणों की गहन जांच कर रही है।

तीन महीने बाद गुरुद्वारा गोलक चोरी का राज खुला, तकनीकी जांच से आरोपी तक पहुंची पुलिस

लालड़ू/यूटर्न/05 जून। करीब तीन महीने पहले गांव अगानपुर के गुरुद्वारे से गोलक चोरी की घटना का खुलासा करते हुए लालड़ू पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस का दावा है कि तकनीकी साक्ष्यों और खुफिया सूचना के आधार पर आरोपी तक पहुंचने में सफलता मिली, जबकि वारदात में शामिल उसका साथी अभी फरार है। जानकारी के अनुसार 1 मार्च 2026 को गांव अगानपुर स्थित गुरुद्वारे से दान पेटी (गोलक) चोरी कर ली गई थी। धार्मिक स्थल पर हुई इस घटना के बाद इलाके में काफी रोष था। पुलिस ने मामला दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल लोकेशन और अन्य तकनीकी पहलुओं के आधार पर जांच शुरू की थी। जांच के दौरान पुलिस की टीम गांव जलालपुर निवासी गुरविंदर सिंह तक पहुंची और उसे लालड़ू क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपी से पूछताछ के दौरान चोरी से जुड़े कई महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं, जिनके आधार पर फरार साथी की तलाश तेज कर दी गई है। इस मामले की एक दिलचस्प कड़ी तब सामने आई जब गिरफ्तार आरोपी ने कथित तौर पर पुलिस हिरासत से भागने का प्रयास किया। पुलिस के मुताबिक भागने की कोशिश के दौरान वह गिर गया, जिससे उसकी टांग टूट गई।

फोर्ब्स में चमके टीआरबी ग्रुप के युवा चेहरे, अंतरराष्ट्रीय मंच पर मिली बड़ी पहचान

लुधियाना/यूटर्न/05 जून। टीआरबी ग्रुप के लिए यह गर्व का क्षण है कि कंपनी के युवा निदेशक दिव्यांश अग्रवाल और चैरुख गोयल को वर्ल्ड फेमस मैगजीन फोर्ब्स की नेक्स्ट जेन ऑफ फैमिली बिजनेस लीडर्स सूची में स्थान मिला है। इसके साथ ही दोनों युवा उद्योगपतियों को वर्ल्ड ब्रांड अफेयर्स की चर्चित 40 अंडर 40 लीडर्स सूची में भी सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उन युवा उद्यमियों को दिया जाता है जिन्होंने अपनी दूरदर्शी सोच, नवाचार और प्रभावशाली नेतृत्व के बल पर उद्योग जगत में नई पहचान स्थापित की हो। दिव्यांश अग्रवाल और चैरुख गोयल ने टीआरबी ग्रुप के विस्तार, आधुनिकीकरण और व्यावसायिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। पिछले कुछ वर्षों में कंपनी ने नई तकनीकों, आधुनिक प्रबंधन प्रणालियों और दीर्घकालिक विकास रणनीतियों को अपनाकर उद्योग जगत में अपनी मजबूत पहचान बनाई है। युवा नेतृत्व की प्रगतिशील सोच और नवाचार आधारित दृष्टिकोण ने टीआरबी ग्रुप को प्रतिस्पर्धी बाजार में नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई है। फोर्ब्स और 40 अंडर 40 जैसी अंतरराष्ट्रीय सूचियों में शामिल होना न केवल दोनों निदेशकों की व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि टीआरबी ग्रुप की मजबूत कारोबारी विरासत, उत्कृष्टता और नवाचार की संस्कृति का भी प्रमाण है। कंपनी ने इस उपलब्धि को भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन तथा वैश्विक स्तर पर नई सफलताएं हासिल करने की प्रेरणा बताया है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधारोपण, प्लास्टिक प्रदूषण मुक्त शहर बनाने का आह्वान

लालड़ू/यूटर्न/05 जून। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर नगर परिषद लालड़ू द्वारा ₹प्लास्टिक प्रदूषण का अंत₹ अभियान के तहत परिषद कार्यालय परिसर में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत जेई नवीन जोशी और सैनिटरी इंस्पेक्टर कुलदीप कौर ने पौधारोपण कर की। इस अवसर पर कार्यकारी अधिकारी अशोक पथरिया ने शहरवासियों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने की अपील की।

विश्व पर्यावरण दिवस पर गीतांजलि सक्सेस एकेडमी के बच्चों ने दिया स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण का संदेश

लुधियाना/यूटर्न/05 जून। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर गीतांजलि सक्सेस एकेडमी ने फिलैंथ्रोपी क्लब द्वारा आयोजित प्लॉगर्स ड्राइव 2.0 में उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अभियान के तहत अकादमी के बच्चों ने साउथ सिटी सिधवा कैनाल रोड पर सफाई अभियान चलाकर प्लास्टिक प्रदूषण के खिलाफ जागरूकता फैलाने का कार्य किया। बच्चों ने आसपास फैले प्लास्टिक कचरे को एकत्रित कर स्वच्छ और हरित लुधियाना का संदेश दिया।

इस अवसर पर अकादमी की डायरेक्टर गीतांजलि सियाल ने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस हमें प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का एहसास कराता है। उन्होंने कहा कि प्लास्टिक प्रदूषण आज पर्यावरण के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है और इसके समाधान के लिए हर नागरिक को अपनी भूमिका निभानी होगी। उन्होंने बच्चों से पर्यावरण संरक्षण को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाने, प्लास्टिक के उपयोग को कम करने तथा अधिक से अधिक पौधे लगाने का आह्वान किया।

गीतांजलि सियाल ने कहा कि ऐसे अभियान बच्चों में सामाजिक जिम्मेदारी, स्वच्छता और पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने फिलैंथ्रोपी क्लब द्वारा आयोजित इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि सामूहिक प्रयासों से ही स्वच्छ, स्वस्थ और हरित भविष्य का निर्माण संभव है।

मां वैष्णो देवी से लौट रहे श्रद्धालुओं की टेम्पो ट्रैवलर की टिप्पर से टक्कर, दो की मौत, 14 गंभीर घायल

पंजाब/यूटर्न/5 जून। गुरदासपुर में अमृतसर-पठानकोट नेशनल हाईवे पर बटाला में मां वैष्णो देवी के दर्शन कर लौट रहे श्रद्धालुओं से भरी एक टेम्पो ट्रैवलर टिप्पर से टकरा गई। हादसे में महिला और पुरुष की मौत हो गई, जबकि 14 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, उधोवाल अड्डे के पास आगे चल रहा ड्राइवर ने टिप्पर अचानक मोड़ दिया, जिससे पीछे से आ रही तेज रफ्तार टेम्पो ट्रैवलर उसके पिछले हिस्से से जा भिड़ी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ट्रैवलर के परखच्चे उड़ गए। हादसे का शिकार हुए सभी श्रद्धालु मानसा क्षेत्र के रहने वाले बताए जा रहे हैं। हादसे के बाद स्थानीय लोगों और पुलिस ने राहत कार्य शुरू किया। सभी घायलों को बटाला के सिविल अस्पताल पहुंचाया गया। उनकी गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए अमृतसर रेफर कर दिया।

50 मीटर तक बिखरे टेम्पो ट्रैवलर टुकड़े

हादसा इतना भीषण था कि टक्कर लगते ही टेम्पो ट्रैवलर के परखच्चे उड़ गए। वाहन के टुकड़े करीब 50 मीटर तक सड़क पर बिखर गए। ट्रैवलर की छत उखड़ गई। जिससे घायल सभी यात्री उसके अंदर फंस गए। इसके बाद पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद उन्हें बाहर निकाला। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, अल सुबह सड़क पर ट्रैफिक कम होने के कारण ट्रैवलर तेज रफ्तार से जा रहा था।

म्यूजिक कंपनी से परेशान पंजाबी गायक फूट-फूटकर रोया, मजदूरी के पैसों से रिलीज किया था गीत

जालंधर/यूटर्न/5 जून। पांच दिन पहले रिलीज गाना इंस्टाग्राम से हटा तो पंजाबी सिंगर विशव लाडी फूट-फूटकर रो पड़े। मशहूर सिंगर कंवर ग्रेवाल के साथ कोलेब्रेशन कर चुके लाडी ने इंस्टाग्राम पर रोते हुए वीडियो डाला। जिसमें लाडी ने कहा कि उन्होंने पिता की मजदूरी के पैसे से गीत रिलीज किया था। अब यह गाना बार-बार सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से हाइड हो रहा है। इसकी रील भी नहीं बन पा रही हैं। लाडी के मुताबिक डिस्ट्रीब्यूटर और म्यूजिक कंपनी इसे टेक्निकल ग्लिच बताकर पल्ला झाड़ रहे हैं लेकिन उनका सारा पैसा दांव पर लगा है। लाडी का कहना है कि डिस्ट्रीब्यूटर कंपनियों और इंडस्ट्री के बड़े लोगों ने उसकी जिंदगी और करियर बर्बाद कर दिया है। गायक का कहना है कि बड़े लोगों के आपसी विवाद और निजी लड़ाइयों के कारण गरीब कलाकार की सालों की मेहनत पर पानी फेरा जा रहा है। लाडी ने कहा कि उनका नया गाना यार बेफिक्रा अभी हाल ही में रिलीज हुआ है

भाजपा नेता गुरदर्शन सिंह सैनी ने जीरकपुर प्रेस क्लब पहुंचकर नव-नियुक्त प्रधान बलविंदर विक्की को दी बधाई

जीरकपुर/यूटर्न/05 जून। भाजपा के वरिष्ठ नेता गुरदर्शन सिंह सैनी आज जीरकपुर प्रेस क्लब पहुंचे, जहां उन्होंने प्रेस क्लब के नव-नियुक्त प्रधान बलविंदर विक्की को प्रधान बनने पर शुभकामनाएं एवं बधाई दी। इस अवसर पर उनके साथ भाजपा के कई नेता, कार्यकर्ता तथा नगर परिषद के पार्षद भी मौजूद रहे। वहीं जीरकपुर प्रेस क्लब के सदस्य भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान बलविंदर विक्की ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए उनका धन्यवाद व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्रेस क्लब पत्रकारिता के मूल्यों को मजबूत करने के साथ-साथ क्षेत्र के विकास और जनहित से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाने के लिए निरंतर कार्य करता रहेगा। इस मौके पर गुरदर्शन सिंह सैनी और प्रेस क्लब के पदाधिकारियों के बीच जीरकपुर के विकास, शहर की प्रमुख समस्याओं तथा भविष्य की योजनाओं को लेकर विस्तार से चर्चा हुई।

मेरी कानूनी लड़ाई संदीप कौडा से है, कंबोज फाउंडेशन से नहीं / एन.एस. रियात

होशियारपुर/यूटर्न/05 जून। कंबोज फाउंडेशन की तरफ से एक दिन पहले जारी प्रेस रिलीज के बारे में लैमरीन टेक स्किल्स यूनिवर्सिटी के चांसलर और RERT के चेयरमैन श्री एन.एस. रियात ने कहा कि पंजाब की धरती शहीदों की धरती है। एक पंजाबी होने के नाते, मेरे मन में शहीदों के लिए गहरा सम्मान और इज्जत है। मैंने आज तक कंबोज फाउंडेशन, शहीद उधम सिंह और शहीद उधम सिंह के नाम पर बन रही यूनिवर्सिटी के बारे में कभी कोई गलत बात नहीं कही, और न ही रियात एजुकेशनल रिसर्च ट्रस्ट ने कभी कुछ कहा। मेरी कानूनी लड़ाई सिर्फ संदीप सिंह कौडा से है, जो उस समय लैमरीन टेक स्किल्स यूनिवर्सिटी के चांसलर थे, जिन्होंने करप्शन फैलाया क्योंकि यह करप्शन सीधे तौर पर गरीब और जरूरतमंद, दबे-कुचले बच्चों के पढ़ाई के हक पर हमला करता है। जिस पर मैं पर्सनली, लैमरीन यूनिवर्सिटी और रयात एजुकेशनल एंड रिसर्च ट्रस्ट ऐसी बहुत बुरी बातों के खिलाफ हैं। मेरा पर्सनली मानना है कि NSDC दिल्ली से मिला यह पैसा गरीब बच्चों की पढ़ाई के लिए था, न कि किसी व्यक्ति, ऑफिस बेयरर या लैमरीन यूनिवर्सिटी के उस समय के चांसलर संदीप सिंह कौरा के पर्सनल इस्तेमाल के लिए।

पिंक ड्रेस में छाया जाह्नवी कपूर का ग्लैमर, नए लुक ने बढ़ाई फैंस की धड़कनें !

मुंबई/यूटर्न/05 जून। बॉलीवुड की चर्चित अभिनेत्री जाह्नवी कपूर एक बार फिर अपने स्टाइलिश और ग्लैमरस अंदाज को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में सामने आई उनकी नई तस्वीरों ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है। पिंक कट-आउट ड्रेस में अभिनेत्री जाह्नवी कपूर का कॉन्फिडेंट लुक फैंस को खूब पसंद आ रहा है। तस्वीरों में अभिनेत्री जाह्नवी बेहद आकर्षक अंदाज में नजर आ रही हैं। फैशन एक्सपर्ट्स भी उनके इस लुक को सीजन का ट्रेंडसेटर बता रहे हैं। जैसे ही तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर हुई, फैंस ने कमेंट्स और लाइक्स की बरसात कर दी।

छत लाइट प्वाइंट पर फिर बड़ा हादसा, ट्रक और कंटेनर के बीच फंसी कार

दो लोग गंभीर घायल, सेक्टर-32 अस्पताल में भर्ती; लगातार हादसों से लोगों में बढ़ी चिंता

जीरकपुर/यूटर्न/05 जून। जीरकपुर के छत लाइट प्वाइंट पर देर रात एक बार फिर बड़ा सड़क हादसा हो गया। ट्रक और कंटेनर की टक्कर के बीच एक कार बुरी तरह फंस गई, जिससे कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों घायलों को उपचार के लिए चंडीगढ़ के सेक्टर-32 स्थित सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार देर रात छत लाइट प्वाइंट पर एक ट्रक और कंटेनर के बीच जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों भारी वाहनों के बीच चल रही कार चपेट में आ गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत राहत कार्य शुरू किया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई थी और उसमें सवार लोग अंदर फंस गए थे। स्थानीय लोगों ने काफी मशक्कत के बाद घायलों को बाहर निकाला और एंबुलेंस की मदद से अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों के अनुसार दोनों की हालत गंभीर बनी हुई है। गौरतलब है कि एक दिन पहले भी इसी छत लाइट प्वाइंट पर दो ट्रालों के बीच भीषण टक्कर हुई थी। लगातार दूसरे दिन हुए हादसे ने इस चौराहे की सुरक्षा व्यवस्था और यातायात प्रबंधन पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस क्षेत्र में भारी वाहनों की तेज रफ्तार, ट्रैफिक नियमों की अनदेखी और पर्याप्त निगरानी की कमी के कारण आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं।

निवासियों और राहगीरों ने प्रशासन से छत लाइट प्वाइंट पर ट्रैफिक नियंत्रण के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात करने, सीसीटीवी निगरानी बढ़ाने और ओवरस्पीड वाहनों के खिलाफ विशेष अभियान चलाने की मांग की है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो भविष्य में और भी गंभीर हादसे हो सकते हैं।

चंडीगढ़ पुलिस के 186 जवानों को एचआईवी/एड्स जागरूकता का प्रशिक्षण

अजीत झा

चंडीगढ़/यूटर्न/05 जून। चंडीगढ़ पुलिस ने अपने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को एचआईवी/एड्स के प्रति जागरूक बनाने के उद्देश्य से दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। यह कार्यशाला 4 और 5 जून 2026 को सेक्टर-26 स्थित भर्ती प्रशिक्षण केंद्र के मल्टीमीडिया हॉल में आयोजित की गई। कार्यक्रम का आयोजन एसपी मुख्यालय एवं प्रशिक्षण मंजीत सिंह (आईपीएस) के मार्गदर्शन तथा डीएसपी प्रशिक्षण अमराव सिंह की देखरेख में किया गया। कार्यशाला का संचालन चंडीगढ़ राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी के सहयोग से किया गया, जिसमें विशेषज्ञ वक्ताओं ने प्रतिभागियों को महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की।

कार्यक्रम की शुरूआत भर्ती प्रशिक्षण केंद्र की मुख्य विधि प्रशिक्षक इंस्पेक्टर पूनम दिलवारी के स्वागत संबोधन से हुई। इसके बाद चंडीगढ़ राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी के सहायक निदेशक जतिंदर दहिया तथा विशेषज्ञ वक्ता सुनील कुमार ने एचआईवी/एड्स से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत जानकारी देते हुए प्रतिभागियों को जागरूक और संवेदनशील बनाया। कार्यशाला के दौरान पुलिस कर्मियों को एचआईवी और एड्स के बारे में जागरूकता, एचआईवी/एड्स (रोकथाम एवं नियंत्रण) अधिनियम-2017 के प्रमुख प्रावधानों, समय पर जांच एवं उपचार के महत्व तथा एचआईवी संक्रमित व्यक्तियों के प्रति भेदभाव रहित व्यवहार की आवश्यकता के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में कांस्टेबल से लेकर सहायक उप-निरीक्षक (एएसआई) रैंक तक के कुल 186 पुलिस कर्मियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने संवादात्मक सत्रों में सक्रिय सहभागिता करते हुए विषय से जुड़े विभिन्न प्रश्नों के उत्तर प्राप्त किए। चंडीगढ़ पुलिस अधिकारियों ने कहा कि इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम पुलिस कर्मियों को स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियों से अवगत कराने के साथ-साथ समाज में एचआईवी/एड्स को लेकर फैली भ्रांतियों को दूर करने और सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

सरकारी स्कूलों में लेट फीस का कोई प्रावधान नहीं; सभी स्कूलों में स्थापित किए जाएंगे SMIS हेल्पडेस्क

अभिभावक अपनी सुविधा अनुसार जमा कर सकते हैं फीस: निदेशक स्कूल शिक्षा

चंडीगढ़/यूटर्न/05 जून। निदेशक स्कूल शिक्षा यूटी चंडीगढ़ नितीश सिंगला ने आज सरकारी स्कूलों में समिस फीस पोर्टल के क्रियान्वयन तथा अभिभावकों की सुविधा के लिए किए जा रहे उपायों की समीक्षा हेतु एक बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक के दौरान निदेशक ने सभी सरकारी स्कूलों को अभिभावकों की सहायता के लिए समर्पित समिस हेल्पडेस्क स्थापित करने के निर्देश दिए। ये हेल्पडेस्क फीस भुगतान, पंजीकरण, पुनः सत्यापन (री-वेरिफिकेशन) तथा पोर्टल से संबंधित अन्य समस्याओं के समाधान में सहायता प्रदान करेंगे। जिन अभिभावकों को किसी प्रकार की सहायता की आवश्यकता हो, वे अपने संबंधित स्कूल में संपर्क कर सकते हैं, जहां नामित कर्मचारी उन्हें आवश्यक मार्गदर्शन और सहयोग प्रदान करेंगे। नितीश सिंगला ने बताया कि पुनः सत्यापन प्रक्रिया को सरल और सुव्यवस्थित बनाया गया है ताकि अभिभावकों की समस्याओं का समयबद्ध और परेशानी-मुक्त समाधान सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने कहा कि समिस फीस भुगतान लिंक, आवश्यक निर्देशों और महत्वपूर्ण सूचनाओं सहित, शिक्षा विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है। फीस भुगतान को लेकर उठ रही चिंताओं के संबंध में निदेशक ने स्पष्ट किया कि सरकारी स्कूलों में लेट फीस का कोई प्रावधान नहीं है तथा अभिभावकों को किसी प्रकार के विलंब शुल्क की चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि अभिभावकों को फीस जमा करने की पूरी सुविधा और लचीलापन दिया गया। वे अपनी सुविधा अनुसार मासिक, त्रैमासिक, वार्षिक अथवा किसी भी अवधि की फीस जमा कर सकते हैं। निदेशक ने यह भी दोहराया कि सरकारी स्कूलों में प्री-प्राइमरी से कक्षा आठवीं तक अध्ययनरत विद्यार्थियों से कोई शुल्क नहीं लिया जाता है। बैठक में डिजिटल व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए दीर्घकालिक सुधारों पर भी चर्चा की गई। भविष्य में फीस संबंधी सेवाओं को संपर्क प्लेटफॉर्म के साथ एकीकृत करने के प्रयास किए जा रहे हैं ताकि प्रक्रिया और अधिक सरल, सुगम और उपयोगकर्ता-अनुकूल बन सके। इससे तकनीकी समस्याओं में कमी आएगी तथा शिक्षकों को शैक्षणिक गतिविधियों पर अधिक समय देने का अवसर मिलेगा। नितीश सिंगला ने विद्यार्थियों, अभिभावकों और स्कूलों के हितों तथा सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए पारदर्शी, प्रभावी और नागरिक-अनुकूल सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए शिक्षा विभाग की प्रतिबद्धता दोहराई।

विश्व पर्यावरण दिवस पर डीएमसीएंडएच और जिला प्रशासन द्वारा पौधारोपण अभियान आयोजित

सुनील पांडेय

लुधियाना/यूटर्न/05 जून। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आज डीएमसीएंडएच, जिला प्रशासन के सहयोग से गांव अजनौद में पौधारोपण अभियान आयोजित किया। इस भूमि पर 10,000 पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है और यह अभियान आने वाले दिनों में भी जारी रहेगा। यह अभियान डीएमसीएंडएच और जिला प्रशासन की संयुक्त पर्यावरण संरक्षण पहल का हिस्सा है, जिसके तहत पूरे जिले में 10 लाख पेड़ लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। कार्यक्रम में लगभग 80 लोगों ने भाग लिया, जिनमें मेडिकल प्रशासक, फैकल्टी सदस्य, डॉक्टर, स्टाफ सदस्य और जिला प्रशासन के अधिकारी शामिल थे। कार्यक्रम में डॉ. नरेंद्र (ए डी सी आर डी), जीवन दीप (ईजीएसडीटीओ), अंबर बंदोपाध्याय (सीजीओ), पवनीत सिंह (प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर) और श्वेता (गवर्नेंस एसोसिएट) सहित डीएमसीएंडएच और जिला प्रशासन के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। इस अवसर पर डीएमसीएंडएच मैनेजिंग सोसायटी के सचिव श्री बिपिन गुप्ता ने कहा, ह्लपेड़ लगाना हमारे भविष्य में निवेश करने जैसा है। विश्व पर्यावरण दिवस पर हम सभी को मिलकर पर्यावरण की रक्षा और अपने आसपास के वातावरण को अधिक हरा-भरा और स्वस्थ बनाने के लिए काम करना चाहिए। 10 लाख पेड़ लगाने का लक्ष्य आने वाली पीढ़ियों के लिए एक टिकाऊ और बेहतर भविष्य बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि पेड़ पर्यावरणीय संतुलन बनाए

खाद की किल्लत, महंगे डीजल-पेट्रोल और व्यापार समझौते पर भड़के किसान

लालड़ू/यूटर्न/05 जून। भारतीय किसान यूनियन (सिद्धूपुर) ब्लॉक डेराबस्सी की पहली ब्लॉक स्तरीय बैठक गुरुद्वारा संगत साहिब, लालड़ू मंडी में ब्लॉक प्रधान जरनैल सिंह दयालपुरा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में बड़ी संख्या में किसानों और मजदूरों ने भाग लिया तथा खेती-किसानी और मजदूर वर्ग से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए किसान नेताओं ने कहा कि धान की रोपाई का सीजन शुरू होने के बावजूद किसानों को यूरिया और डीएपी खाद के लिए सहकारी समितियों और आढ़तियों के चक्कर काटने पड़ रहे हैं। पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध न होने से किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने सरकार से मांग की कि किसानों को समय पर खाद उपलब्ध कराई जाए ताकि फसलों की बुवाई प्रभावित न हो। किसान नेताओं ने डीजल और पेट्रोल की लगातार बढ़ रही कीमतों पर भी चिंता जताई। उनका कहना था कि बढ़ती ईंधन कीमतों का सीधा असर खेती की लागत और मजदूरों की आर्थिक स्थिति पर पड़ रहा है। उन्होंने सरकार से ईंधन कीमतों पर नियंत्रण करने और किसानों को राहत देने की मांग की। बैठक में भारत और अमेरिका के बीच हुए व्यापारिक समझौते का भी विरोध किया गया।

Owner, Publisher, Printer: - Komal Sharma, Printed by DB Corp LTD VPO Hamira, Distt Kapurthala-144601 (PB), Published by: House No 68, New Sarabha Nagar, VPO Daad, Ludhiana (PB) - 142022, Editor: Sandeep Sharma
तमाम प्रकाशित सामग्री के चयन व संपादन हेतु आरबीएक्ट के तहत जिम्मेवार।
Contact - +91 9814295372